उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी सम्मान हेतु
के.के. अग्रवाल के रंग योगदान का विवरण

क्रमांक	विवरण	पेज क्रमांक
1.	के.के. अग्रवाल की रंग यात्रा	1-2
2.	वर्ष 2021 की रंग गतिविधियां	3
3.	वर्ष 2020 की रंग गतिविधियां	4
4.	वर्ष 2019 की रंग गतिविधियां	5
5.	अब तक लिखित नाटकों का विवरण	6-11
6.	अब तक निर्देशित नाटकों का विवरण	12
7.	अब तक अभिनीत नाटकों का विवरण	13
8.	उपलब्धियाँ प्रमाणों सहित	14-40

के.के. अग्रवाल की रंग यात्रा

आइ.आइ.टी. रूड़की, से इंजिनियरिंग की डिग्री लेकर, मैं तत्कालीन उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद में नौकरी करने वर्ष 1974 में लखनऊ आया और नाट्य संस्था संकेत के साथ जुड़कर प्रसिद्ध निर्देशक श्री के.बी. चन्द्रा जी के निर्देशन में, श्री डी.पी. सिन्हा कृत **''ओह-अमेरिका''** नाटक में एक छोटे से रोल के साथ अपनी रंग यात्रा प्रारंभ की।

अगले ही वर्ष मैंने आयन रैण्ड के प्रसिद्ध नाटक **''नाइट ऑफ जनवरी सिक्सटींथ''** का **''अपराधी''** नाम से हिंदुस्तानी रूपांतर किया एवं ''संकेत'' के लिये इसे निर्देशित भी किया। कुछ ही दिनों बाद इस नाटक को तक्षशिला कानपुर ने मंचित किया। उसके बाद इसके सारे देश में कई मंचन हुये।

इसके कुछ समय बाद ही एन.सी.इ.आर.टी., नई दिल्ली में एक 20 दिवसीय नाट्य लेखन कार्यशाला में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ, जिसके अन्तर्गत बच्चों के लिए विभिन्न शिक्षाप्रद विषयों पर दूरदर्शन हेतु नाटक लिखने का प्रशिक्षण मिला। इसके पश्चात् लखनऊ आकर बच्चों के लिये पंचतंत्र की कहानियों पर आधारित छोटे-छोटे नाटक तैयार करके स्थानीय स्कूलों में खेले। ये नाटक बाद में लखनऊ दूरदर्शन पर रामेन्द्र सरीन के निर्देशन में प्रस्तुत हुये। कालांतर में इन नाटकों को पराग प्रकाशन, दिल्ली ने **''अपने पर भरोसा रखो''** नाम से पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया। बच्चों के लिये नाटक लिखने एवं स्कूलों में जाकर खेलने का सिलसिला तबसे अब तक निरंतर चल रहा है।

लखनऊ में विद्युत परिषद में नौकरी प्रारंभ करते ही मैंने इस विभाग की गतिविधियों, कार्य प्रणाली, कठिनाइयों, अव्यवस्था, जनसमस्याओं आदि को लेकर प्रतिवर्ष एक नाटक लिखना शुरू किया। इन्हें आज के वरिष्ठ रंगकर्मी श्री आतमजीत सिंह ने बड़े चाव से निर्देशित किया। इस प्रकार नाटक समाज में सुधार का साधन बना।

बाद में मैंने कृशन चंदर की कहानियों पर काम किया और **एक गधे की व्यथा-कथा** एवं **बिजली का खंबा** जैसे नाटक लिखे जो कई नाट्य महोत्सवों में श्री आतम जीत सिंह के निर्देशन में खेले गये।

वर्ष 1989 में मैंने नाटक **हवेली** लिखा। जिसे लखनऊ में वर्ष 1990 में खोज नाट्य संस्था तथा मझगांव डाक्स स्पोर्टस क्लब द्वारा पुणे एवं बम्बई में खेला गया। इस नाटक को महाराष्ट्र सरकार द्वारा सम्मानित भी किया गया। बाद में इसका लखनऊ में गाता चल संस्था ने मंचन किया एवं दूरदर्शन ने भी प्रसारित किया।

सत्तर के दशक में नाटय संस्था ''संकेत'' के महासचिव एवं उपाध्यक्ष के रूप में मुझे अव्यवसायिक रंगमंच की साधनहीनता एवं कुछ करने की व्यग्रता का अहसास बड़ी शिद्दत से हुआ। साथ ही यह भी समझ में आया कि अव्यवसायिक रंगमंच की नींव पर ही व्यवसायिक नाटक एवं सिनेमा जगत के महल खड़े हैं। इसी अवधि में लेखन, निर्देशन एवं बाल रंगमंच की कई कार्यशालाओं में भी भाग लिया।

वर्ष 1978 में मुझे देश के प्रसिद्ध व्यंगकार श्री के.पी. सक्सेना ने अपने नाटक **बाप रे बाप** की पाण्डुलिपि प्रदान की। इस प्रकार मुझे अपने निर्देशन में इस नाटक का पहला मंचन करने का गौरव प्राप्त हुआ। बाद में यही नाटक लखनऊ दूरदर्शन से भी मेरे निर्देशन में प्रसारित हुआ।

वर्ष 80 एवं 90 के दशकों में मैंने लखनऊ के तत्कालीन प्रसिद्ध निर्देशक डा0 मनोहर मोती वाले के साथ मराठी नाटकों पर काम किया एवं कई नाटकों का हिन्दी रूपांतरण एवं निर्देशन किया। इनमें से नाटक **तुरुप चाल** के कई शो श्री जितेन्द्र मित्तल के निर्देशन में यायावर संस्था ने सारे देश में किये। मेरे निर्देशन में इस नाटक का दूरदर्शन से भी प्रसारण हुआ ।

विगत पांच वर्षों से मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर कार्य कर रहा हूँ। इनकी अब तक दस से अधिक कहानियों के नाट्य रूपांतर कर चुका हूँ। उनकी तीन कहानियों पर आधारित एक पूर्ण कालिक नाटक **जीवन यात्रा** भी लिखा और निर्देशित किया है। यह एक अत्यंत ही सफल प्रयोग सिद्ध हुआ है। इससे पूर्व के वर्षों में **बूढ़ी काकी** एवं **मंदिर** भी निर्देशित किये। मुंशी प्रेमचंद की कहानियों से प्रेरित नाटकों की दो पुस्तकें **संवाद** एवं **जीवन यात्रा** के नाम में प्रकाशित हो चुकी हैं। मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर काम करके मुझे अपने देश को जानने की एक नयी समझ एवं दृष्टि प्राप्त हुई है। इस वर्ष मैंने प्रेमचंद जी की कहानियां **''माँ''** एवं **''मंत्र''** का नाट्य रूपांतर किया है। इनमें से संगीत नाटक अकादमी तत्वावधान में नाटक ''माँ'' का मंचन भी मेरे निर्देशन में हुआ है।

इसी वर्ष मेरे द्वारा लिखित पर्यावरणीय नाटकों का संकलन- **पर्यावरण एक प्रश्न चिन्ह** भी प्रकाशित हुआ है ।

कुल मिलाकर अव्यवसायिक रंगमंच की लंबी जीवन यात्रा ने मुझे सिखाया है कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी हो, साधन चाहे जितने सीमित हों, नाटक के माध्यम से अपनी बात कही जा सकती है। साथ ही रंगमंच एक ऐसा मित्र है जो कभी साथ नहीं छोड़ता। सदा सुख एवं संतोष प्रदान करता है।

के.के. अग्रवाल

वर्ष 2021 की रंग गतिविधियां

1. वृद्धावस्था की समस्याओं पर लिखित नाटक **मेरी रज्जो**	वर्ष 2022 में मंचन प्रस्तावित
2. मुंशी प्रेमचंद की सुप्रसिद्ध कहानी का नाट्य रूपांतर **माँ**	नाटक ''माँ'' का मंचन उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी के तत्वावधान में दिनांक 26 फरवरी 2021 को संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह में हुआ। इस नाटक का निर्देशन भी मेरे द्वारा किया गया।
3. जल के अपव्यय का मानव जीवन एवं पृथ्वी पर पड़ने वाली भयावह प्रभावों को दर्शाते एकांकी का लेखन **''अपनी बनाई आपदा''**	इस नाटक को नगर की प्रसिद्ध संस्था वृक्ष कल्याणम् के तत्वावधान में मंचित करने की तैयारी चल रही है।
4. सआदत हसन मंटो की चार सुप्रसिद्ध कहानियों के नाटय रूपांतर **1. हतक 2. बादशाहत का खात्मा** **3. फातो 4. दांत का दर्द**	कोरोना के कारण इनका मंचन अभी तक लम्बित रहा है। इन नाटकों की पुस्तक प्रकाशन में है।
5. कोरोना महामारी के जन जीवन पर प्रभाव को उकेरती दस लघु नाटिकायें **''कोरोना एक जिंदा नाटक''**	इन नाटिकाओं को सोशल मीडिया पर काफी सराहना मिली ।
6. चार पर्यावरणीय नाटकों के संकलन का ऑनलाइन गाथा, लखनऊ द्वारा प्रकाशन **''पर्यावरण एक प्रश्नचिन्ह''**	इस पुस्तक का लोकार्पण माह दिसम्बर 2020 में किया गया।

वर्ष 2020 की रंग गतिविधियां (माह अगस्त 2020 तक)

01. वैश्विक पर्यावरण की भयावह स्थिति को प्रस्तुत करता एंकाकी नाटक-
"कभी तो सुनोगे"
लेखन एवं निर्देशन

01. वृक्ष कल्याणम संस्था के तत्वावधान में वाल्मीकी प्रेक्षागृह संगीत नाटक अकादमी में 23 फरवरी 2020 की मंचित।

02. अपनी रंग गतिविधियों के लिये वृक्ष कल्याणम् संस्था द्वार सम्मानित।

02. 23 फरवरी 2020।

03. कोरोना महामारी के सामाजिक जीवन पर प्रभावों को उकेरते।
"कोरोना एक जिंदा नाटक"
के नाम से 20 लघु नाटकों का लेखन।

03. फेसबुक पर प्रसारित। इनका भारतेन्दु नाट्य अकादमी द्वारा भी प्रयोग किया गया।

04. **मुंशी प्रेमचंद की कहानियों में नारी** एक पात्री नाटक का लेखन एवं निर्देशन।

04. मुंशी प्रेमचंद की 140वीं जयंती के अवसर पर सृजन शक्ति वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में दिनांक 31 जुलाई को सीमा मोदी द्वारा फेस बुक पर अभिनीत।

कभी तो सुनोगे
23 फरवरी 2020

वर्ष 2019 की रंग गतिविधियां

01. प्रदूषण एवं नागरिक समस्यायों की ओर ध्यानाकर्षित करता नाटक **"इन्हें इंसान बनना है।"** का लेखन एवं निर्देशन।	01. वृक्ष कल्याणम् संस्था के तत्वाधान में 3 फरवरी 2019 को उर्दू अकादमी में मंचित।
02. विश्व रंग मंच दिवस पर **"थियेटर क्यों एवं थियेटर ही क्यों"** विषय पर सेमीनार आलेख एवं आयोजन।	02. सृजन शक्ति वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित।
03. मुंशी प्रेमचन्द्र की तीन कहानियों पर आधारित नाटक **"जीवन यात्रा"** का लेखन एवं निर्देशन।	03. सृजन शक्ति वेलफेयर सोसायटी के तत्वाधान में 31 जुलाई 2019 को भारतेन्दु नाट्य अकादमी में मंचित।
04. नाटक **"जीवन यात्रा"** का प्रकाशन एवं लोकार्पण।	04. वरिष्ठतम रंगकर्मी डॉ. उर्मिल कुमार थपलियाल की अध्यक्षता में 7 अक्टूबर 2019 को प्रेस क्लब में सृजन शक्ति वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में सम्पन्न।
05. क्रियेटिव आर्ट ग्रुप शाहजहाँपुर द्वारा अटल रत्न सम्मान	05. 12 नवम्बर 2019 को शाहजहाँपुर में प्रदत्त।

जीवन यात्रा
31 जुलाई 2019

के.के. अग्रवाल द्वारा लिखित नाटकों का विवरण

(अ)	प्रकाशित	
क्र.सं.	नाटक का नाम	टिप्पणी
1.	कभी तो सुनोगे (पुस्तक-**पर्यावरण एक प्रश्न चिन्ह** में प्रकाशित)	प्रदूषण की विभीषिका का चित्रण करता कई मंचित नाटक।
2.	इन्हें इंसान बनना है (पुस्तक-**पर्यावरण एक प्रश्न चिन्ह** में प्रकाशित)	सामाजिक व्यवहार एवं नैतिकता को चित्रित करता एकांकी। जिसके अब तक कई मंचन हो चुके हैं।
3.	पार्क में पर्यावरण (पुस्तक-**पर्यावरण एक प्रश्न चिन्ह** में प्रकाशित)	पर्यावरण की समस्या को चित्रित करते हुए एकांकी। जिसके अब तक कई मंचन हो चुके हैं।
4.	पर्यावरण एक प्रश्न चिन्ह (पुस्तक-**पर्यावरण एक प्रश्न चिन्ह** में प्रकाशित)	पर्यावरण की समस्या को चित्रित करते हुए एकांकी। जिसके अब तक कई मंचन हो चुके हैं।
5.	जीवन यात्रा (पुस्तक-**जीवन यात्रा** में प्रकाशित)	मुंशी प्रेमचंद की 3 कहानियों को आधार बनाकर लिखा गया बहुचर्चित नाटक। जिसका मंचन लेखक के निर्देशन में 31 जुलाई एवं लोकार्पण 7 अक्टूबर 2019 को हुआ।
6.	मंदिर (पुस्तक-**संवाद** में प्रकाशित)	मुंशी प्रेमचंद की कहानी का नाट्य रूपांतर जिसका मंचन लेखन के निर्देशन में दिनांक 31 जुलाई 2018 को हुआ।
7.	बूढ़ी काकी (पुस्तक-**संवाद** में प्रकाशित)	मुंशी प्रेमचंद की कहानी का नाट्य रूपांतर जिसका मंचन लेखन के निर्देशन में दिनांक 13 अक्टूबर 2017 को हुआ।
8.	कफन (पुस्तक-**संवाद** में प्रकाशित)	मुंशी प्रेमचंद की कहानी का नाट्य रूपांतर।
9.	नमक का दरोगा (पुस्तक-**संवाद** में प्रकाशित)	मुंशी प्रेमचंद की कहानी का नाट्य रूपांतर।
10.	ए ड्रीम आफ फ्रीडम (पुस्तक-**खुटियो पर टंगी कहानियाँ** में प्रकाशित)	युवाओं की समस्याओं पर लिखा एकांकी। स्कूल एवं कालेजों में बहुमंचित।

11.	चिन्टू की चिट्ठी (पुस्तक-**खुटियो पर टंगी कहानियाँ**, में प्रकाशित)	बाल मनोविज्ञान पर लिखा नाटक। स्कूल एवं कालेजों में बहुमंचित।
12.	अपने पर भरोसा रखो (पुस्तक-**अपने पर भरोसा रखो** में प्रकाशित)	शिक्षाप्रद बाल नाटक। स्कूल एवं कालेजों में बहुमंचित। लखनऊ दूरदर्शन पर प्रसारित।
13.	मित्र से धोखा अपने से धोखा (पुस्तक-**अपने पर भरोसा रखो** में प्रकाशित)	शिक्षाप्रद बाल नाटक। स्कूल एवं कालेजों में बहुमंचित। लखनऊ दूरदर्शन पर प्रसारित।
14.	लालच बुरी बला है (पुस्तक-**अपने पर भरोसा रखो** में प्रकाशित)	शिक्षाप्रद बाल नाटक। स्कूल एवं कालेजों में बहुमंचित। लखनऊ दूरदर्शन पर प्रसारित।
15.	एक भूल को मत दोहराओ (पुस्तक-**अपने पर भरोसा रखो** में प्रकाशित)	शिक्षाप्रद बाल नाटक। स्कूल एवं कालेजों में बहुमंचित। लखनऊ दूरदर्शन पर प्रसारित।

(ब)	अप्रकाशित	
1.	माँ	मुंशी प्रेमचंद्र की सुप्रसिद्ध कहानी का नाट्यरूपान्तरण । इसका मंचन उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी के तत्वावधान में दिनांक 26 फरवरी 2021 को संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह में हुआ ।
2.	अपनी बनाई आपदा	जल के अपव्यय का मानव जीवन एवं पृथ्वी पर पड़ने वाले भयावह प्रभावों को दर्शाता एकांकी
3.	मेरी रज्जो	वृद्धावस्था की समस्याओं पर लिखित नाटक
4.	हतक	सआदत हसन मंटो की सुप्रसिद्ध कहानी का नाट्यरूपान्तरण
5.	बादशाहत का खात्मा	सआदत हसन मंटो की सुप्रसिद्ध कहानी का नाट्यरूपान्तरण
6.	फातो	सआदत हसन मंटो की सुप्रसिद्ध कहानी का नाट्यरूपान्तरण
7.	दांत का दर्द	सआदत हसन मंटो की सुप्रसिद्ध कहानी का नाट्यरूपान्तरण
8.	कोरोना एक जिंदा नाटक	कोरोना महामारी के जन जीवन पर प्रभाव को उकेरती दस लघु नाटिकायें
9.	हवेली	खोज लखनऊ, गाता चल लखनऊ, मझगॉव डॉक्स स्पोर्ट्स क्लब, मुम्बई द्वारा मुम्बई, पुणे एवं लखनऊ में मंचित। **लखनऊ दूरदर्शन पर प्रसारित।** **महाराष्ट्र सरकार द्वारा पुरस्कृत।**
10.	तुरूप चाल	मूल मराठी नाटक का हिन्दुस्तानी रूपान्तरण। जिसे मेरे निर्देशन में गाता चल एवं यायावर नाट्य संस्था, लखनऊ द्वारा मंचित किया गया। **लखनऊ दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ।**

11.	आरोप	मूल मराठी नाटक का हिन्दुस्तानी रूपान्तरण। महाराष्ट्र समाज लखनऊ द्वारा डॉ0 मनोहर मोती वाले के निर्देशन में एवं देश की अन्य संस्थाओं द्वारा मंचित।
12.	बिजली का खम्बा	संगीत नाटक अकादमी उ0प्र0 के तत्वावधान में आयोजित लखनऊ नाट्य समारोह में श्री आतम जीत सिंह के निर्देशन में रंगयोग द्वारा मंचित। उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहाबाद के तत्वावधान में श्री आतम जीत सिंह के निर्देशन में रंगयोग द्वारा
13.	व्यथा-कथा एक गधे की	कृश्न चंदर की कहानी पर आधारित। उ0प्र0 राज्य विद्युत परिषद अभियन्ता संघ एवं मेघदूत लखनऊ द्वारा श्री आतम जी सिंह के निर्देशन में मंचित।
14.	स्वर्ग से शक्ति भवन	उ0प्र0 राज्य विद्युत परिषद अभियन्ता संघ द्वारा श्री आतम जीत सिंह के निर्देशन में मंचित।
15.	उड़ान 420	उ0प्र0 राज्य विद्युत परिषद अभियन्ता संघ द्वारा श्री आतम जीत सिंह के निर्देशन में मंचित।
16.	थैक्यू मिस्टर टेलर	उ0प्र0 राज्य विद्युत परिषद अभियन्ता संघ द्वारा श्री आतम जीत सिंह के निर्देशन में मंचित।
17.	आओ सखी कुछ बेचें	उ0प्र0 राज्य विद्युत परिषद अभियन्ता संघ द्वारा श्री आतम जीत सिंह के निर्देशन में मंचित।
18.	मरणोपरान्त	उ0प्र0 राज्य विद्युत परिषद अभियन्ता संघ द्वारा श्री आतम जीत सिंह के निर्देशन में मंचित।
19.	कंपनी बाई (नौटंकी)	उ0प्र0 राज्य विद्युत परिषद अभियन्ता संघ द्वारा श्री आतम जीत सिंह के निर्देशन में मंचित।
20.	पाषाण युग	मालती जोशी की कहानी का नाट्य रूपान्तर लखनऊ एवं मुम्बई दूरदर्शन पर श्री राजन सब्बरवाल के निर्देशन में प्रसारित।

21.	पंजा	डब्लु0 डब्लु0 जैकब की कहानी का नाट्य रूपान्तर। लखनऊ दूरदर्शन पर कुमुद नागर के निर्देशन में प्रसारित। देश के कई नगरों में मंचित।
22.	पत्नीव्रता	लखनऊ दूरदर्शन द्वारा श्री रामेन्द्र सरीन के निर्देशन में प्रसारित।
23.	दादी जिन्दाबाद	लखनऊ दूरदर्शन द्वारा श्री अशरफ हुसैन के निर्देशन में प्रसारित। देश के कई नगरों में मंचित।
24.	झूठ पर झूठ	लखनऊ दूरदर्शन द्वारा श्री अनिल श्रीवास्तव के निर्देशन में प्रसारित। देश के कई नगरों में मंचित।
25.	अपनी-अपनी दहशत	लखनऊ दूरदर्शन द्वारा श्री अनिल श्रीवास्तव के निर्देशन में प्रसारित। आकाशवाणी लखनऊ द्वारा प्रसारित। देश के कई नगरों में मंचित।
26.	खदान	लखनऊ दूरदर्शन द्वारा श्री अनिल श्रीवास्तव के निर्देशन में प्रसारित। देश के कई नगरों में मंचित।
27.	टेलीफोन	लखनऊ दूरदर्शन द्वारा प्रसारित। देश के कई नगरों में मंचित।
28.	चूहे का शिकार	लखनऊ दूरदर्शन द्वारा प्रसारित। देश के कई नगरों में मंचित।
29.	अन्तिम यात्रा	विद्याधर पुण्डलिक की कहानी का रेडियो नाट्य रूपान्तरण आकाशवाणी, लखनऊ से प्रसारित।
30.	हम मजबूर नहीं	आकाशवाणी, लखनऊ से प्रसारित।
31.	आस्था	स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर आधारित। आकाशवाणी, लखनऊ से प्रसारित।

32.	लहरपुर की कथा	सर्व शिक्षा अभियान / यूनिसेफ / प्लान इण्डिया हेतु लिखित एकांकी नाटक।
33.	मुनादी	सर्व शिक्षा अभियान / यूनिसेफ / प्लान इण्डिया हेतु लिखित एकांकी नाटक।
34.	चुंबक मेरा जादूगर	एजूकेशनल टी0वी0 हेतु लिखित एकांकी।
35.	पाती	दयानन्द अनत की कहानी पर आधारित टैली फिल्म जिसका निर्देशन श्री के0बी0 चन्द्रा ने किया। लखनऊ दूरदर्शन द्वारा प्रसारित।
36.	चुम्बक मेरा जादूगर	एजूकेशनल टी0वी0 हेतु लिखित नाटक।

'मां' ने बताई राष्ट्रप्रेम की परिभाषा

नाटक मां का मंचन करतीं डा.सीमा मोदी, नवनीत मिश्र व आरुष उपाध्याय • जागरण

जासं, लखनऊ : संगीत नाटक अकादमी में शुक्रवार को अवध संध्या के अंतर्गत सृजन शक्ति वेलफेयर सोसाइटी द्वारा मुंशी प्रेमचंद की कहानी मां का मंचन हुआ। मां मुंशी का वचन लेकर करुणा की बातों में संसार त्याग देता है। प्रकाश को पति की आशाओं का पुत्र न बना सकने से आहत करुणा खुद को आदित्य का दोषी मानती है और प्रकाश से सारे

के.के. अग्रवाल द्वारा निर्देशित नाटक –

(1)	अपराधी	-	आयनरैन्ड / के.के. अग्रवाल
(2)	झूठ पर झूठ	-	के.के. अग्रवाल
(3)	तुरूप चाल	-	..... / के.के. अग्रवाल
(4)	बाप रे बाप	-	के.पी. सक्सेना
(5)	ताम्रपत्र	-	
(6)	कृति-विकृति	-	एन.जी. बोडस
(7)	दूसरा दरवाजा	-	लक्ष्मी नारायण लाल
(8)	ठेके का ताजमहल	-	के.पी. सक्सेना
(9)	परदा उठने से पहले	-	
(10)	पर्यावरण एक प्रश्न चिन्ह्	-	के.के. अग्रवाल
(11)	पार्क में पर्यावरण	-	के.के. अग्रवाल
(12)	इन्हें इंसान बनना है	-	के.के. अग्रवाल
(13)	बूढ़ी काकी (कहानी मुंशी प्रेमचंद)	-	के.के. अग्रवाल
(14)	मंदिर (कहानी मुंशी प्रेमचंद)	-	के.के. अग्रवाल
(15)	जीवन यात्रा (मुंशी प्रेमचंद की 3 कहानियों पर आधारित)	-	के.के. अग्रवाल
(16)	कभी तो सुनोगे	-	के.के. अग्रवाल
(17)	माँ (कहानी मुंशीप्रेमचंद्र)	-	के.के. अग्रवाल

निर्देशित बाल नाटक –

(18)	घोचू नवाब	-	के.पी. सक्सेना
(19)	अपने पर भरोसा रखो (पंच तंत्र पर आधारित)	-	के.के. अग्रवाल
(20)	मित्र से धोखा अपने से धोखा (पंच तंत्र पर आधारित)	-	के.के. अग्रवाल
(21)	लालच बुरी बला है (पंच तंत्र पर आधारित)	-	के.के. अग्रवाल
(22)	एक भूल को मत दोहराओ (पंच तंत्र पर आधारित)	-	के.के. अग्रवाल
(23)	चूहे का शिकार	-	के.के. अग्रवाल
(24)	जुकाम जारी है	-	के.पी. सक्सेना

के.के. अग्रवाल द्वारा अभिनीत नाटक –

(1) अपराधी
(2) व्यथा-कथा एक गधे की
(3) स्वर्ग से शक्ति भवन
(4) उड़ान 420
(5) थैंक्यू मिस्टर टेलर
(6) आओ सखी कुछ बेचें
(7) कम्पनी बाई
(8) मरणोपरान्त
(9) पर्यावरण एक प्रश्न चिन्ह्
(10) चूहे का शिकार
(11) आरोप
(12) तुरूप चाल
(13) ओह-अमेरिका
(14) ध्रुव स्वामिनी
(15) सत्य हरिश्चन्द्र
(16) कुमार की छत पर
(17) बिना दीवारों के घर
(18) बड़ी बुआ जी
(19) राम श्याम जदु
(20) पहला राजा
(21) जाति ही पूछे साधु की
(22) अभिमान
(23) एक था गधा उर्फ अलादाद खॉ
(24) भॉड चिरत्रम
(25) कागज का शेर
(26) महाभारत में रामायण
(27) किरायेदार चाहिये
(28) पार्क में पर्यावरण
(29) इन्हें इंसान बनना है।

उपलब्धियाँ प्रमाणों सहित

1. पांच पुस्तकों का प्रकाशन

   (क) आन लाइन गाथा द्वारा प्रकाशित

   1. पर्यावरण एक प्रश्नचिन्ह - 2020
   2. जीवन यात्रा - 2019
      (मुंशी प्रेमचंद की तीन कहानियों पर आधारित नाटक)
   3. संवाद - 2018
      (मुंशी प्रेमचंद की चार काहनियों के नाट्य रूपान्तर)
   4. खूटियों पर टंगी कहानियाँ - 2017
      (लघु कथायें एवं नाटक)

   (ख) पराग प्रकाशन दिल्ली द्वारा प्रकाशित

   1. अपने पर भरोसा रखो - 1995
      (बाल नाट्य संग्रह)

2. महाराष्ट्र राज्य नाट्य महोत्सव 1992-93 में नाटक हवेली के लेखन हेतु पुरस्कृत।

3. कन्हैया लाल प्रागदास स्मारक समिति द्वारा वर्ष 1994 में नाट्य श्री का सम्मान।

4. एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा आयोजित 20 दिवसीय एजुकेशनल टी0वी स्क्रिप्ट लेखन प्रशिक्षण शिविर-1980।

5. भारतेन्दु नाट्य अकादमी द्वारा आयोजित नाट्य निर्देशन प्रशिक्षण शिविर-1995।

6. भारतेन्दु नाट्य अकादमी द्वारा आयोजित मुख सज्जा कार्यशला-1995।

7. कन्टमप्रेरी अमेरिकन थियेटर पर वर्कशाप, जिसमें सर्व श्री राज बिसारिया, अनुपम खेर, राजा बुन्देला आदि ने भाग लिया।

8. बाल रंगमंच-कुछ जरूरी सवाल।

   संगीत नाटक अकादमी, उ0प्र0 द्वारा माननीय श्री ब0व0 कारंत की अध्यक्षता में आयोजित परिसंवाद 13, 14 मई 1978।

9. सर्व शिक्षा अभियान, यूनिसेफ एवं प्लान इण्डिया द्वारा प्रदेश बाल/प्रौढ़ शिक्षा के सम्बन्ध में वर्कशाप एवं नाट्य लेखन 13, 14 जून, 2013।

10. बच्चों के स्कूलों में ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण हेतु नाटक।

11. 44 वर्ष में मंच दूरदर्शन, आकाशवाणी पर
    51 नाटकों का लेखन
    24 नाटकों का निर्देशन
    29 नाटकों में अभिनय

के.के. अग्रवाल की प्रकाशित पुस्तकें

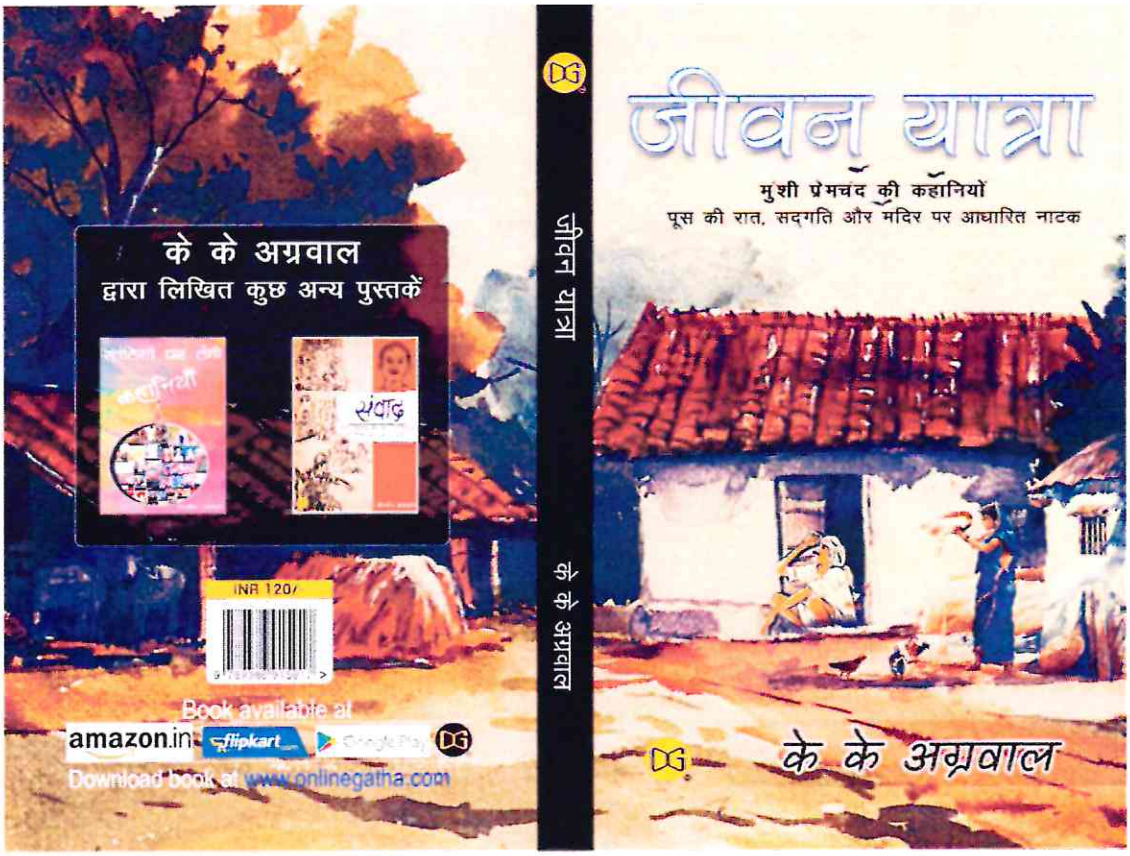

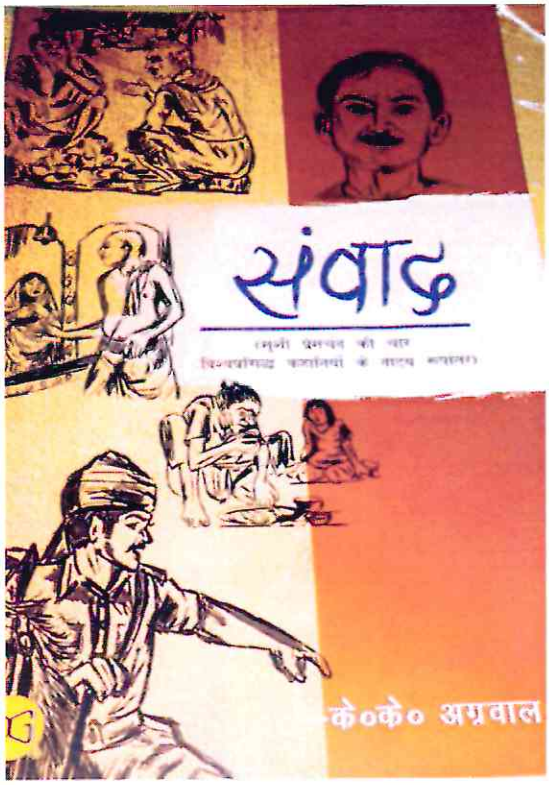

के.के. अग्रवाल की प्रकाशित पुस्तकें

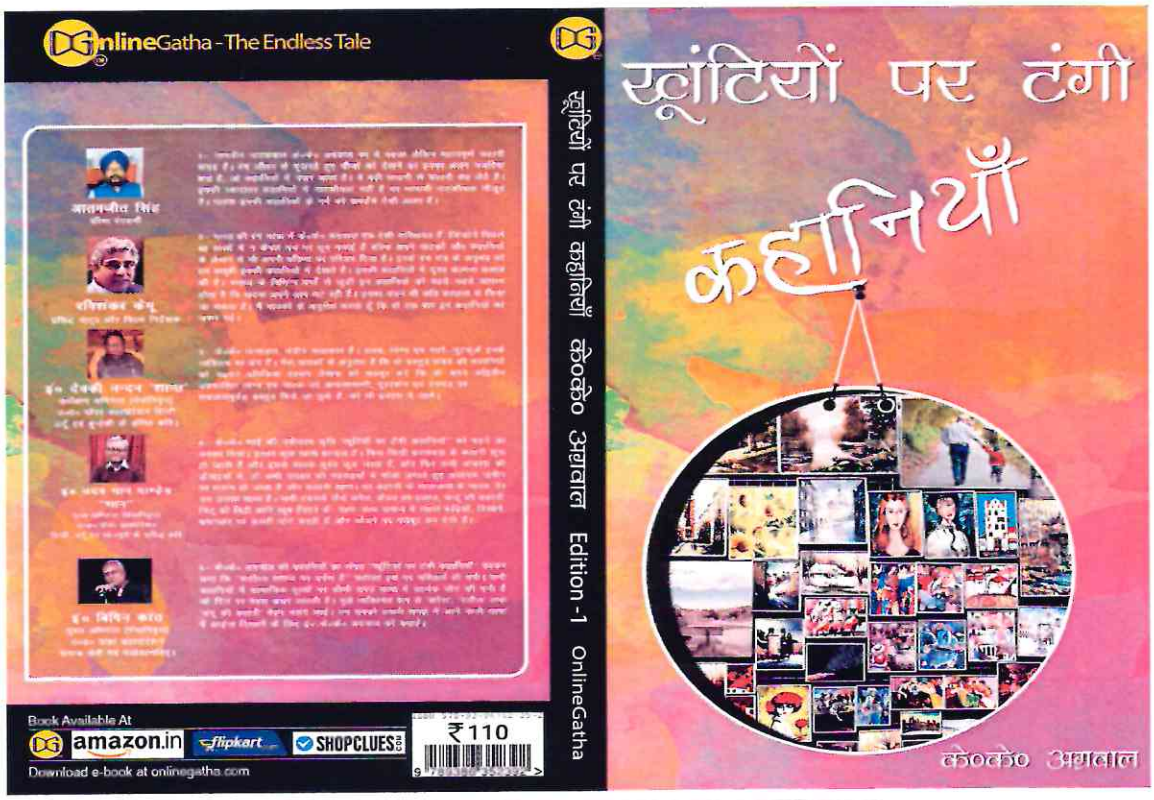

महाराष्ट्र राज्य नाट्य महोत्सव

महाराष्ट्र शासनाच्या सांस्कृतिक कार्य संचालनालयातर्फे १९८२:८३मध्ये साजऱ्या
झालेल्या नाट्य महोत्सवाच्या प्रादेशिक स्पर्धांत
माझगांव डॉक स्पोर्टिंग क्लब मुंबई
या संस्थेने सादर केलेल्या
हवेली
या हिंदी नाटकाच्या
~~अत्युत्कृष्ट नेपथ्य~~ / ~~प्रकाशयोजना~~ / ~~दिग्दर्शन~~ / लेखन
रु.१५०/- चे दुसरे पारितोषिक मिळाल्याबद्दल
श्री. के. के. अग्रवाल
यांना हे प्रमाणपत्र देण्यात येत आहे

संचालक, सांस्कृतिक कार्य

सांस्कृतिक कार्य मंत्री

श्रीपर्व

१९९४

श्री के० के० अग्रवाल

हाइडिल ऑफ़िस सी कॉलोनी, विवेकानंदपुरी

लखनऊ

अपने कार्यक्षेत्र में

उल्लेखनीय सेवा तथा महती उपलब्धि

के समादर में

आपको

नाट्यश्री का सम्मान

सादर समर्पित है

कन्हैयालाल प्रागदास स्मारक समिति

७ नजीराबाद, लखनऊ-१८

भारतेन्दु नाट्य अकादमी

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/~~श्रीमती~~ के० के० अग्रवाल ने भारतेन्दु नाट्य अकादमी द्वारा आयोजित मुखसज्जा की कार्यशाला में दिनांक २०-३-९५ से ३०-३-९५ तक सफलता पूर्वक भाग लिया।

लखनऊ; दिनांक 10 APR 1995

सहायक निदेशक

कार्यशाला विशेषज्ञ

Liza Lucila
निदेशक

भारतेन्दु नाट्य अकादमी
संस्कृति विभाग, उ.प्र. शासन

BHARTENDU ACADEMY OF DRAMATIC ARTS
DEPARTMENT OF CULTURE, GOVERNMENT OF U.P.

अल्पकालिक प्रशिक्षण शिविर '९५

प्रमाण – पत्र

१० मई १९९५ से २८ मई १९९५

प्रमाणित किया जाता है

कि श्री/ श्रीमती/ सुश्री के० के० अग्रवाल ने

भारतेन्दु नाट्य अकादमी द्वारा

आयोजित नाट्य निर्देशन प्रशिक्षण शिविर में

सफलता पूर्वक भाग लिया।

सहायक निदेशक | अतिथि विशेषज्ञ | निदेशक

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
राज्य परियोजना कार्यालय,
उ0प्र0 सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद्, विद्या भवन, निशातगंज, लखनऊ -226 007

प्रेषक

अपर परियोजना निदेशक
सर्व शिक्षा अभियान, उ0प्र0
लखनऊ।

सेवा में,

श्री० के० के० अग्रवाल

पत्रांक: एस0एम0सी0/ 107 /2013–14 दिनांक: 12 जून 2013

विषय: विद्यालय प्रबन्ध समिति के सुदृढीकरण हेतु समुदाय में प्रचार प्रसार हेतु रणनीति के कियान्वयन के सम्बन्ध में।

महोदय,

सर्व शिक्षा अभियान, यूनिसेफ एवं प्लान इण्डिया के संयुक्त प्रयास से उत्तर प्रदेश में विद्यालय प्रबन्ध समिति के सशक्तिकरण की रणनीति तैयार की गयी है जिसमें यह परिकल्पना की गयी है कि नुक्कड नाटक एवं पपेट शो द्वारा समुदाय को विद्यालय प्रबन्ध समिति का महत्व समझाने एवं विद्यालय के प्रबन्ध में उनका प्रतिभाग बढ़ाने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाये।

उपर्युक्त के कम में **दिनांक 13, 14 एवं 15 जून 2013** के मध्य राज्य परियोजना कार्यालय, **सर्व शिक्षा अभियान में प्रातः 10.00 बजे से 5.30 बजे** की अवधि में कार्यशाला का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यशाला का एजेण्डा निम्नवत् है–

1. विद्यालय प्रबन्ध समिति के गठन में पारदर्शिता, विद्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा किये जाने वाले कर्तव्यों एवं दायित्वों, सोशल आडिट, समावेशन, बच्चों की विद्यालय में नियमित उपस्थिति तथा निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधानों पर आधारित नुक्कड नाटक, पपेट शो, गीत नाटिका एवं गीत तैयार करना।
2. समुदाय में जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रचार–प्रसार सामग्री यथा–हैण्डबुक, पम्पलेट आदि का निर्माण।

दूरभाष : 2780995, 2781316 फैक्स : 0522-2781123, 2780998, 2781316 ई-मेल : spdup@rediffmail.com; upefa@upefa.com; upefaspo@gmail.com

3. विद्यालय प्रबन्ध समिति के सुदृढीकरण हेतु समुदाय में प्रचार–प्रसार रणनीति हेतु मार्गदर्शिका विकसित करना।

अतः आपसे अनुरोध है कि उपर्युक्त कार्यशाला में प्रतिभाग कर अपने बहुमूल्य अनुभवों से रणनीति को प्रभावी बनाने में अपना योगदान देने का कष्ट करें।

भवदीया,

12.6.13

(डा0 मीना शर्मा)
अपर परियोजना निदेशक

उ० प्र० संगीत नाटक अकादमी प्रकाशन–६

बाल रंगमंच : कुछ ज़रूरी सवाल

[उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा १३ व १४ मई, १९७८ को आयोजित परिसम्वाद गोष्ठी की रिपोर्ट]

संपादक

कृष्ण नारायण कक्कड़

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी

कैसरबाग, लखनऊ-२२६००१

तृतीय सत्र १४ मई को हुआ । इस सत्र का संयोजन श्री कृष्ण नारायण कक्कड़ कर रहे थे और प्रमुख वक्ता के रूप में श्री बी० वी० कारन्त थे । प्रारम्भ में डॉ० शरद नागर, अकादमी के सहायक सचिव तथा सांस्कृतिक अधिकारी, ने विगत दो सत्रों की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए रंगमंच के लिये एक व्यापक योजना का प्रारूप (परिशिष्ट-३) प्रस्तुत किया ।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के स्नातक **श्री रवि शर्मा** ने कहा कि प्रशिक्षण योजना में पत्रकारों को सम्मिलित करने की कोई आवश्यकता नहीं है । समयावधि एक घंटे से बढ़ाकर दो घंटे की जाय और रविवार के दिन अधिक काम किया जा सकता है । प्रशिक्षण के सम्बन्ध में उनका ऐसा मत था कि इसको अधिकाधिक सूक्ष्मतर बनाया जाय और इंटेंसिव ट्रेनिंग (गहन प्रशिक्षण) के रूप में इसे चलाना चाहिए ।

'संकेत' के सचिव **श्री के० के० अग्रवाल** ने कहा कि रंगमंच का पाठ्यक्रम जो भी सुनियोजित किया जाय, वह सरल और आनन्ददायक हो तो उचित होगा ।

श्री आतमजीत सिंह ने कहा कि रंगमंच प्रशिक्षण योजना काफी लम्बी न होनी चाहिये । हमें छोटी-छोटी योजनाएँ बनानी चाहिये जिसमें बाल रंगमंच की दिशा में अधिकतम कार्य हो सके ।

सिटी मान्टेसरी स्कूल की संयुक्त निदेशिका **डॉ० निखत मेहताब** ने सुझाव दिया कि रंगमंच के लिए एक अवधि सुनिश्चित की जानी चाहिये, प्रतिदिन दो घंटे का समय दे पाना कठिन है ।

श्री बन्धु कुशावर्ती ने कहा कि प्रशिक्षण की अवधि तीन माह

जीवन–यात्रा का मंचन

A theatrical tribute to Munshi Premchand

A play title 'Jeewan Yatra' presented on the 138th birth anniversary of the great writer

To pay tribute and commemorate the 138th birth anniversary of the legendary Indian writer Munshi Premchand, Srijan Shakti Welfare Society presented a play 'Jeewan Yatra' at Bhartendu Academy of Dramatic Arts, Lucknow, at its Tiwari Theatre recently.

The event was inaugurated by the chief guest and minister Mahendra Kumar Singh. While addressing the audience he said, "I'm delighted to be a part of this evening. I come from the land (Varanasi-Pratapgarh) where he was born and spent his considerable span of life. This proves that our culture is rich and wonderful. Though he lives a short life, I believe a good writer never dies. On this occasion I want to pay my tribute from the bottom of my heart."

A scene from the play Jeewan Yatra held at Bhartendu Academy of Dramatic Arts recently PIC: DEEPAK GUPTA/HT

Jitendra Kumar, Mahendra Singh and Mahendra Modi

Talking about the style of writing stories of Munshi Premchand, which are basically surrounds around the poor farmers of the village and also justifying the title of the play its writer-director KK Agarwal said, "I have tried to frame his three stories into one, where the poor farmer Haku (played by Abhishek Singh) turns from framer to a labourer and eventually dies due to excessive exploitation from the hands of upper caste people. His widow (Munni), played by Sima Modi, for the sake of his only son, who is unwell, goes to the temple to pray to the God. Since, she belongs from the section of untouchables she was not allowed to enter the temple and pray for his son. Eventually, his son dies and this makes Munni laments over her pathetic situation."

Highlighting the present situation of farmers, he adds, "Amalgamating the three stories, I have tried to portray the journey of the entire life of these poor farmers which is still same as it was a few decades ago. With the help of this story, I along with the portrayal of the bitter truth of society like to pay tribute to the legendary writer."

Other guests who were present at the event include senior police official Mahendra Modi and bureaucrat Jitendra Kumar. —AAKASH GHOSH

PHOTO: GAUTAM HARSHANT

LUCKNOW IS TALKING ABOUT

जीवन–यात्रा का लोकार्पण

www.jagran.com

मुंशी प्रेमचंद की तीन कहानियों पर केंद्रित नाटक जीवन यात्रा

जागरण संवाददाता, लखनऊ : सृजन शक्ति वेलफेयर सोसाइटी की ओर से सोमवार को लेखक के.के. अग्रवाल की पुस्तक जीवन यात्रा (नाटक) का विमोचन किया गया। मुंशी प्रेमचंद की 84वीं पुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीजी सिविल जोन (आयोगम) मोहन मंडी सहित शहर के साहित्यकारों ने पुस्तक का विमोचन किया।

लेखक के.के. अग्रवाल की पुस्तक का विमोचन करते अतिथिगण

मुंशी प्रेमचंद की 84वीं पुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर लेखक के.के. अग्रवाल की पुस्तक का विमोचन

मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर केंद्रित अपनी पुस्तक के बारे में लेखक के.के. अग्रवाल ने कहा कि जीवन यात्रा में पारिवारिक जीवन में एक छोटे से किसान के संघर्ष को सामने में चित्रित करने का प्रयास किया है। यह एक सीमांत किसान शम्भू की कहानी है, जो कठोर परिश्रम और भगवान प्रयास के बाद भी अपने परिवार के लिए दो जून की रोटी नहीं जुटा पाता।

अपने स्वागत भाषण में महाअतिथि डॉ. संजय मंडी ने कहा कि नाटक के प्रकाशन से पूर्व सम्मान इसका प्रकाशन मंचन का सुखी है। इसके अलावा भी मुंशी प्रेमचंद की लॉकडाउन, बूढ़ी काकी, बोनस, पंडित मोटेराम शास्त्री व सद्गति का मंचन भी उल्लेख व अंतरराष्ट्रीय मंच पर किया जा चुका है। वरिष्ठ रंगकर्मी व अभिनेता डॉ. अजित सरोहा ने कहा कि उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की तीन कहानियों जो जीवन पूर्णमंचीय नाटक बनाने का यह पहला प्रयोग है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे संचालक मिश्रा ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद के विचार इस नाटक के माध्यम से और सामान्य रूप में प्रस्तुत होते हैं। वरिष्ठ कवि व रंगकर्मी डॉ. के.के. अग्रवाल ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद कहानियों, उपन्यासों व किसानों के शोषण के विरुद्ध मिलकर अपने लेखनी चलाते थे। उनकी कहानियों पर इस प्रकार के प्रयोग समाज के लिए हितकर हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अध्यक्ष डॉ. उदित कुमार माहेश्वरी ने कहा कि जीवन जगत की जीवन यात्रा के जरिए एक सफल नाटक प्रस्तुत हुआ है, जिसके अनेक प्रयोग होने चाहिए। इस मौके पर डॉ. रमेश चंद्र शर्मा, के.के. अग्रवाल, डॉ. नीरज गुप्ता सिंह, उदयभान पाण्डेय, जितेन्द्र शर्मा, अंजनी लखनवी व आलोक श्रीवास्तव सहित शहर के कई रंगकर्मी व साहित्यकार उपस्थित थे।

के.के. अग्रवाल रचित नाटक जीवन यात्रा का हुआ लोकार्पण

लखनऊ। सृजन शक्ति वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में प्रसिद्ध कहानीकार मुंशी प्रेमचंद की 84वीं पुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर उनकी कहानियों पर आधारित के.के. अग्रवाल द्वारा रचित नाटक जीवन यात्रा का लोकार्पण मुंशी प्रेम चन्द्र के नाम के वरिष्ठ रंगकर्मियों एवं साहित्यकारों द्वारा किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मोहन मंडी, अतिरिक्त, डीजी, सिविल जोन एवं अध्यक्ष डॉ उदित कुमार माहेश्वरी थे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में नगर के वरिष्ठ रंगकर्मियों, लखनऊ डॉ अजित सरोहे, रेमेन्द्र भारिया, आलोकवीर सिंह, सूर्य भवन कुमलेश, मुकेश अग्रवाल एवं गोपाल मिश्रा ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर महाअतिथि डॉ संजय मंडी ने कहा कि इस नाटक के प्रकाशन के पूर्व संध्या ने 31 जुलाई को इसका मंचन मंचन भी किया है।

नाटक के लेखक वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ के.के. अग्रवाल ने कहा कि जीवन यात्रा के माध्यम से मुंशीजी पारिवारिक जीवन में एक छोटे किसान के संघर्ष को सामने में चित्रित करने का प्रयास किया है। नाटक का चर्चा करते हुए वरिष्ठ रंगकर्मी एवं विषय अभिनेता डॉ अजित सरोहे ने कहा कि उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की तीन कहानियों को जोड़कर पूर्णमंचीय नाटक बनाने का यह पहला प्रयोग है। संचालन मिश्रा जी इस कार्यक्रम का संचालन भी कर रहे थे, का मानना था कि मुंशी प्रेमचंद जी के विचार इस नाटक के माध्यम से और पात्रों के रूप में प्रस्तुत होते हैं। वरिष्ठ कवि ने कहा कि नाटक दर्शकों के मन की पीड़ा अन्तर्वेदना को झकझोरने में पूर्णतः सफल है। मुंशी मोहन कुमलेश ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मुंशी प्रेमचंद, गांवों, दलितों और किसानों के शोषण के विरुद्ध मिलकर अपनी लेखनी चलाते रहे। उनकी कहानियों पर इस प्रकार के प्रयोग समाज के लिए हितकर हैं। श्री नीरज गुप्ता सिंह का मत था कि प्रेमचंद साहित्य में ग्रामीण भारत की पृष्ठभूमि पर लिखी कहानियों का विशेष महत्व है और यह नाटक इस नाटक में भी स्पष्ट परिलक्षित होता है।

समारोह के अध्यक्ष डॉ उदित कुमार माहेश्वरी ने कहा कि नाटक जीवन यात्रा के प्रकाशन से पूर्व इस पर नाटककारों के मंचन चल रहे हैं और इसके बाद इसका अन्तर्राष्ट्रीय मंचन भी हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहन मंडी ने कहा कि कहा कि उन्होंने भी अखबार द्वारा मनोरंजन एवं निर्देशक मुंशी प्रेमचंद जी की अन्य कहानियों का मंचन एवं प्रभावशाली मंचन भी देखा है जिसे दर्शकों की सराहना मिली है। समारोह में रंगकर्मियों के अतिरिक्त नगर के अनेक साहित्यकारों ने भी पत्र लिखे जिसमें ई देवमणि मनन, शान, के के अग्रवाल, नारायण पाण्डेय एवं जितेन्द्र कान, वीरा जायसवाल शैलेष सिंह, वरिष्ठ रंगकर्मी जे पी आजमी, राजेश औरमया, आलोक श्रीवास्तव, आकाश पाठेश, अभिषेक सिंह, कमल तिवारी, सुमन सुमन, जितेंद्र टोटू, अभिनव तिवारी, रक्षा जितेन्द्र श्रीवास्तव, अभिषेक, नितिन जायसवाल, पूर्णेश पाठेश, अमृत प्रसून के नाम उल्लेखनीय हैं। अंत में मानस के अध्यक्ष श्री के पी अग्रवाल ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

जनसंदेश टाइम्स
8/10/2017

जीवन–यात्रा का लोकार्पण

नाटक 'जीवन यात्रा' का विमोचन

लखनऊ। प्रेमचंद साहित्य में ग्रामीण भारत की पृष्ठभूमि पर लिखी कहानियों का विशेष महत्व है। उनके किरदारों में जब एक मूक विरोध झलकता था, जो उनकी कहानियों में दिखता है। ऐसे प्रेमचंद की कहानियों को नाटक में सहेजने का प्रयास साहित्य की दृष्टि से बेहतर है। ये बातें साहित्यकार आलोचक प्रो. नलिन रंजन सिंह ने सोमवार को यूपी प्रेस क्लब में कहीं। सृजन शक्ति वेलफेयर सोसाइटी, लखनऊ की ओर से कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 84वीं पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर उनकी कहानियों पर आधारित केके अग्रवाल रचित नाटक जीवन यात्रा के लोकार्पण मौके पर बोल रहे थे। समारोह के अतिथियों में डीजी विशेष जांच महेंद्र मोदी, वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ. उर्मिल कुमार थपलियाल, डॉ. अनिल रस्तोगी, आतमजीत सिंह, सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ, पुनीत गोपाल सिन्हा, मृदुला भारद्वाज रहीं। अतिथियों ने नाटक का लोकार्पण किया। सोसाइटी की महासचिव डॉ. सीमा मोदी ने कहा कि इस नाटक के प्रकाशन के पूर्व संस्था ने इसका मंचन भी किया है। नाटक के लेखक वरिष्ठ रंगकर्मी इं. केके अग्रवाल ने कहा कि नाटक के माध्यम से भारतीय ग्रामीण जीवन में एक छोटे किसान के संघर्ष को चित्रित करने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ रंगकर्मी गोपाल सिन्हा ने किया।

NBT

नवभारत टाइम्स

प्रेमचंद की कहानियों में जिंदगी का यथार्थ

एनबीटी, लखनऊ : प्रेमचंद ने अपने जीवन में जिले के गांवों से रूबरू कराया है। यह विचार आलोचक नलिन रंजन सिंह ने सोमवार को व्यक्त किए। वह यूपी प्रेस क्लब में सृजन शक्ति वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बतौर अतिथि शामिल हुए।

मुंशी प्रेमचंद की 84वीं पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन प्रेस क्लब सभागार में हुआ। इसमें कथा सम्राट के केके अग्रवाल की नाट्य पुस्तक 'जीवन यात्रा' का विमोचन हुआ। इस मौके पर संस्था की महासचिव डॉ. सीमा मोदी, रंगकर्मी उर्मिल कुमार थपलियाल, डॉ. अनिल रस्तोगी, आतमजीत सिंह, सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ, मृदुला भारद्वाज, पुनीत गोपाल सिन्हा व शिक्षाविद मौजूद रहीं। सोसाइटी की सचिव डॉ. सीमा मोदी ने कहा कि इस नाटक के प्रकाशन से पहले इसका मंचन भी हुआ। नलिन रंगकर्मी केके अग्रवाल कथा कि जीवन यात्रा में ग्रामीण जीवन में छोटे किसान के संघर्ष को मार्मिक चित्रित करने की कोशिश की गई है।

प्रेसक्लब में सोमवार को केके अग्रवाल की पुस्तक जीवन यात्रा का विमोचन किया गया।

राष्ट्रीय गौरव सम्मान से नवाजी गईं डॉ. सीमा मोदी

एनबीटी, लखनऊ : रंगमंच कलाकार और समाजसेविका डॉ. सीमा मोदी को विभिन्न क्षेत्रों में उनकी ओर से राष्ट्रीय गौरव अवार्ड से नवाजा गया। यह जिले के जीवंत इलेक्ट्रिक कन्वाल सेंटर में एक अनूठे से दो अवार्ड समारोह में उन्हें यह सम्मान मिला।

डॉ. सीमा रंगमंच के जरिए लोगों को बच्चों को पढ़ाने, एड्स जागरूकता, पर्यावरण और कन्या संरक्षण अभियान में जुटी हैं। इससे पहले उन्हें गार्गी अवार्ड, नारी शक्ति अवार्ड, ग्रीन जीवन विहार फेस में केयर देवेंद्र अवार्ड से नवाजा जा चुका है।

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

उपन्यास सम्राट की 84वीं पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर उनकी कहानियों पर रचित नाटक का विमोचन हुआ

प्रेमचंद की कहानियों को जोड़ नाटक गढ़ने का अनूठा प्रयोग

लखनऊ | निज संवाददाता

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की तीन कहानियों को जोड़कर पूर्णकालिक नाटक बनाने का यह पहला प्रयोग है जिसको पढ़ने का अलग ही अनुभव है। ये बातें वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ. उर्मिल रस्तोगी ने यूपी प्रेस क्लब में कहीं। हजरतगंज स्थित प्रेस क्लब में सोमवार को सृजन शक्ति वेलफेयर सोसाइटी की ओर से प्रसिद्ध कहानीकार मुंशी प्रेमचंद की 84वीं पुण्यतिथि के पूर्व संध्या पर उनकी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर केके अग्रवाल द्वारा प्रेमचंद की रचित कहानियों पर आधारित नाटक जीवन यात्रा का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आईपीएस महेंद्र मोदी और विशिष्ट अतिथि डॉ. उर्मिल कुमार थपलियाल मौजूद रहे। डॉ. थपलियाल ने कहा कि पुस्तक के विमोचन से पहले इसका मंचन मंचन किया गया जिससे साहित्य जगत को एक नाटक नाटक मिला।

कार्यक्रम में हरीश भट्टेजा, गोपाल सिन्हा, प्रदीप श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

संस्था ने दी सच्ची श्रद्धांजलि

कार्यक्रम में संस्था की महासचिव डॉ सीमा मोदी ने कहा कि संस्था की ओर से पुस्तक के प्रकाशन से पहले कलाकारों द्वारा मंचन संस्था की उनको सच्ची श्रद्धांजलि है। इसके साथ ही जब तक रंगकर्मी ने प्रेमचंद पर आधारित नाटकों का सामूहिक मंचन संस्था की ओर से कराया गया है। जिसमें मुंशी प्रेमचंद की कहानियों दो लाख, बूढ़ी काकी, आंदर जैसे कहानियां जो बहुत का मंचन किया गया जो दर्शकों द्वारा खूब सराहा भी गया है।

प्रेमचंद की तीनों कहानियों पर आधारित नाटक जीवन यात्रा का विमोचन सोमवार को प्रेस क्लब में किया गया। नाटक केके अग्रवाल ने लिखा है।

किसान के संघर्ष को शब्दों में उकेरा

अपनी कृति के बारे में बताते हुए लेखक और वरिष्ठ रंगकर्मी केके अग्रवाल ने कहा कि जीवन यात्रा के जरिए किसान के संघर्ष और उनके दर्द को शब्दों में लिखकर बयां करने की कोशिश की है। इसमें प्रेमचंद की तीन कहानियों को लिखकर एक नई कहानी गढ़ी गई है। उन्होंने ये कहा उदाहरण को प्रस्तुत करेगी।

कार्यक्रम में हरीश भट्टेजा द्वारा वरिष्ठ रंगकर्मी सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद गांवों, दलितों और किसानों के शोषण के खिलाफ निरंतर अपनी लेखनी चलाई। उन्होंने कहानियों में लोगों को प्रेरणा दिलाने में। इसके बाद डॉ. उर्मिल रंजन सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि साल में प्रेमचंद के तीनों उपन्यास नाटक रहेंगे हैं।

मंदिर का मंचन

31 जुलाई 2018

धार्मिक असहिष्णुता की ओर इशारा कर गया नाटक 'मंदिर'

संवाददाता,लखनऊ।

सृजन शक्ति वेलफेयर सोसायटी द्वारा भारतेन्दु नाट्य अकादमी में कथाकार मुंशी प्रेमचंद की 130 वीं जयंती प्रेमचंद स्मृति समारोह के रूप में मनायी गई। इस अवसर पर संस्था पत्रिका के विमोचन के साथ देश के वर्तमान परिवेश में मुंशी प्रेमचंद के साहित्य की प्रासंगिकता विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन तथा मुंशी प्रेमचंद की कहानी मंदिर का नाट्य मंचन भी किया गया एवं समाज में विविध कार्यों में विशेष योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया।

[illegible]

नाटक मंदिर की कहानी है गरीब विधवा सुशिला की, जिसे उसके पति ने सपने में आकर अपने बीमार बेटे की जान की सलामती के लिए मंदिर जाकर भगवान की प्रार्थना करने को सतर्क दी है। किंतु धर्म के ठेकेदार उसे अछूत कहकर मंदिर में प्रवेश नहीं करने देते और जब वो चोरी से मंदिर में प्रवेश करने का प्रयास करती है तो उसे लाठी डण्डों से मारते है।

इस हादसे में सुशिला तो घायल होती ही है परंतु उसका बच्चा निर्धन मर जाता है।

यह मार्मिक एवं हृदय विदारक कहानी कई ऐसे प्रश्न उठाती है जो आज भी समाज में ज्वलंत है। जैसे क्या ऊँची जात के लोगों के भगवान और नीची जाति के लोगों के भगवान अलग-अलग होते है। क्या गरीब और नीची जात वाला बड़े धर्म वालों इमारतों को मंदिर में प्रवेश का अधिकार नहीं है।

क्या बड़े-छोटे, अमीर गरीब सबको एक ही ईश्वर ने नहीं बनाया है। अपने बच्चे की जान बचाने के लिए व्याकुल, मंदिर में प्रवेश करने को छटपटाती सुशिला के चरित्र को सीमा मोदी ने अपने प्रभावशाली अभिनय से जीवंत कर दिया।

उनका साथ दिया पुजारी के रूप में नियुक्त सिंह ने और छोटे बच्चे के रूप में आकाश ने।

नाटक में प्रकाश परिकल्पना वरिष्ठ रंगकर्मी गोपाल सिन्हा की तथा मंच सज्जा एवं संगीत संचालन शैलेन्द्र ने किया।

अमर हैं प्रेमचंद की कहानियां

वीएनए में मुंशी प्रेमचंद जयंती समारोह, कहानी 'मंदिर' के मंचन में दिखा अभिनय कौशल

[illegible]

कथाकार की कहानी, सामाजिक अभिनय : मुंशी प्रेमचंद की कहानी मंदिर को सीमा मोदी ने अपनी अभिनयकौशल से सशक्त जीवंत किया • जागरण

[illegible] मोदी, संस्कृति विभाग निदेशक विजेंद्र, फेसबुक पेज के संचालक सुमेधा बाजपेयी सिंह और पत्रिका स्वर्णकार पुजारी प्रकाशक, गोपाल सिन्हा, प्रकाश बोस, कोरियन निदेशक मेरी पेंड गुप्ता, डॉ. कपाड़ पंडा, प्रकाश शर्मा की स्मृति सिंह [illegible] मंच का संचालन हुआ।

[illegible] मोदी ने अपने अभिनय से जीवंत किया। पुजारी के रूप में विनीत सिंह और छोटे बालक के रूप में आकाश ने अभिनय किया। [illegible] मोदी, [illegible] सुमन, [illegible] और [illegible] ने [illegible] मंच पर [illegible] किया।

'सुकृति' की ओर से आयोजन

लखनऊ : जागरण 'सुकृति' के तत्वावधान में मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर प्रकाशक टेलेग्राम में संगोष्ठी व एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। [illegible] डॉ. सुधांशु कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि आज देश में राष्ट्रवाद का एक दौर चल रहा है। [illegible] प्रेमचंद ने अपने लेखों में बताया था कि राष्ट्रवाद सुख और भारी सांस्कृतिक [illegible] के अर्थ सुधी का एक सांस्कृतिक [illegible] का रूप और [illegible] मात्र की तुष्टि तक आधारित है। [illegible] वैज्ञानिक व साहित्य प्रेमी डॉ. [illegible], [illegible] अभिनेता प्रवीण [illegible], [illegible] प्रकाश पांडे ने भी संबोधित किया।

[illegible] में विशेष रूप से [illegible], [illegible] सुमन, [illegible] मोदी, [illegible] सिन्हा, [illegible] और [illegible] ने [illegible] नाटक में [illegible] किया। [illegible] सुमन, [illegible] और [illegible] ने [illegible] किया। (जागरण)

आपको हमारा Epaper कैसा लगा हमें बतायें

dainik jagran 1 August

बूढ़ी काकी का मंचन

13 अक्टूबर 2017

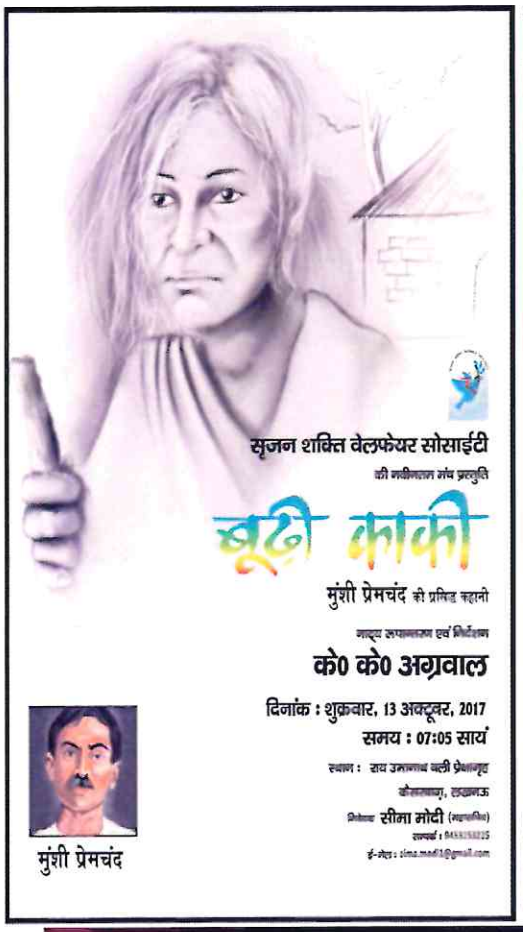

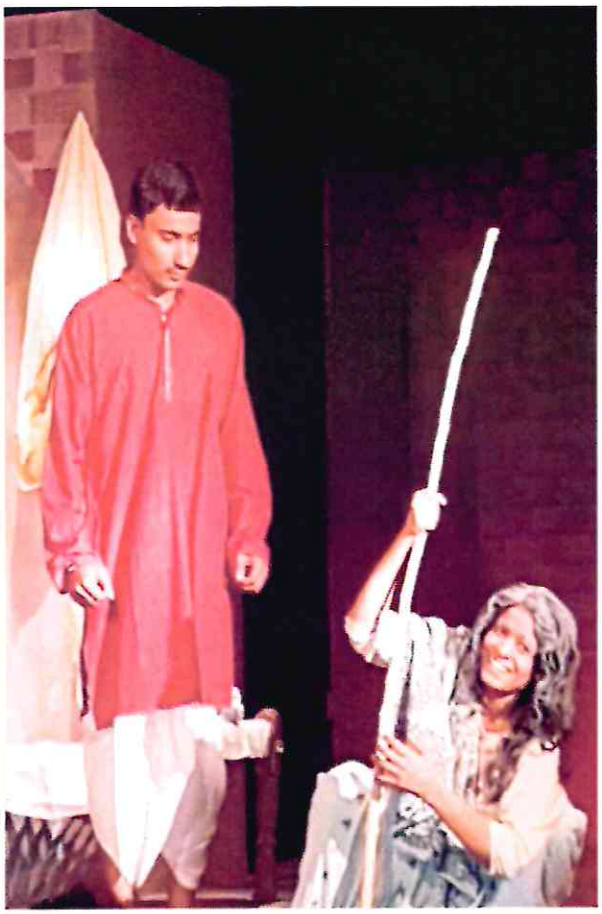

बूढ़ी काकी का मंचन

13 अक्टूबर 2017

'बूढ़ी काकी' ने नम की दर्शकों की आंखें

14/10/17

एनबीटी, लखनऊ : जब कलाकारों ने मंच पर समाज में बुजुर्गों की अनदेखी को दर्शाया को तो दर्शक भावुक हो उठे। सृजन शक्ति वेलफेयर सोसायटी की ओर से कैसरबाग के राय उमानाथ बली ऑडिटोरियम में शुक्रवार को मुंशी प्रेमचंद की चर्चित कहानी 'बूढ़ी काकी' का नाट्य रूपांतरण किया गया।

सृजन शक्ति वेलफेयर सोसायटी की ओर से हुई प्रस्तुति

नाटक की शुरुआत मुख्य किरदार बूढ़ी काकी से होती है। वह अपनी संपत्ति भतीजे बुद्धिराम को सौंपकर पूरी तरह उस पर निर्भर हो जाती हैं। लालची भतीजे बुद्धिराम और पत्नी रूपा काकी की अनदेखी करने लगते हैं

नाटक में दिखाया गया कि बुद्धिराम अपने बेटे के तिलक समारोह में अतिथियों को बुलाने के बाद बूढ़ी काकी को कमरे में बंद कर देता है। मेहमानों के जाने के बाद काकी पत्तलों में पड़ी जूठन खाकर भूख मिटाती है। इसे देखकर बुद्धिराम और उसकी पत्नी को अपनी गलती का अहसास होता है।

बूढ़ी काकी के किरदार में संस्था की महासचिव सीमा मोदी ने निभाया। वहीं अन्य कलाकारों में आरुष, शिवांशु, राहुल, समृद्धि, शैलेंद्र, सोनू, लक्ष्मी, रेखा, उदयभान, सौरभ और आशीष शामिल रहे। कहानी का नाट्य रूपांतरण व निर्देशन केके अग्रवाल ने किया। मेकअप विजय ने, लाइट डायरेक्शन गोपाल, म्यूजिक सादिक का और संचालन जितेश ने किया।

NBT

राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में 'बूढ़ी काकी' नाटक का मंचन हुआ।

बूढ़ी काकी पर हुए अत्याचारों ने झकझोरा

4/10

लखनऊ। बुढ़ापा आते ही मन बच्चों सा हो जाता है, लजीज खाने से लेकर खेलने तक का मन करता है। ऐसे में अगर अपने ही पराये सा व्यवहार करने लगें तो बुजुर्ग टूट जाते हैं। ऐसे ही भावपूर्ण दृश्यों के साथ शुक्रवार को आंखें नम करते कथानक का मंचन राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में हुआ। कथाकार मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'बूढ़ी काकी'

बली प्रेक्षागृह में नाटक का मंचन

नाटक में कलाकारों ने सधे अभिनय से बुजुर्गों की अवस्था पर झकझोरा। पति और पुत्र की मौत के गम में रोज-रोज घुट-घुट कर जी रही बूढ़ी काकी एक दिन अपनी भारी जायदाद भतीजे बुद्धिराम को दे देती हैं, लेकिन जायदाद पाते ही बुद्धिराम बदल जाता है। उस पर अत्याचारों का कहर टूट पड़ता है तो बुद्धिराम की पत्नी भी काकी को एक-एक निवाले के लिए तरसा देती है। बुद्धिराम की छोटी बेटी से ये सब सहन नहीं होता। वो उनका ख्याल रखने के साथ-साथ चोरी चुपके से उन्हें खाना भी खिलाती रहती है। हद तो तब हो जाती है जब सताई हुई बुद्धिराम के बेटे मुन्नाराम के विवाह आयोजन में बूढ़ी काकी मेहमानों की जूठन से पेट भरने पर मजबूर हो जाती है। नजारा देख सभी घरवाले पछताते हैं। सृजन शक्ति वेलफेयर सोसाइटी के नाटक में संस्था की सचिव सीमा मोदी ने बूढ़ी काकी का दमदार किरदार निभाया।

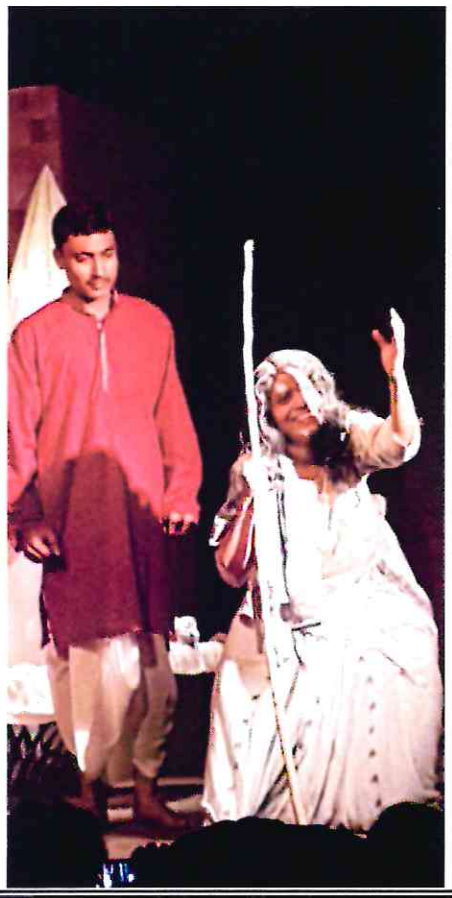

वृक्ष कल्याणम्

॥ हमारा उद्देश्य, प्राकृति सेवा ॥ ॥ (Our Aim to Nurture Nature) ॥

रजि सं. 904-2014-2015

सचिव
विपिन कान्त
फोन : 9415220022
Email : vrikshakalyanam.lko@gmail.com
Date : 01.09.2020

वृक्ष कल्याणम देश में पर्यावरण जल संचयन एवं ऊर्जा संरक्षण के प्रति जन जागृति कार्यो के लिये प्रतिबद्ध है। इन कार्यों को करने के लिये संस्था अन्य सामाजिक संस्थाओं एवं स्कूल का सहयोग प्राप्त करती है।

प्रमाणित करना है कि श्री के.के. अग्रवाल ने संस्था के लिये अपने द्वारा लिखित नाटकों का निर्देशन एवं मंचन किया है जिनमें इन्होंने अभिनय भी किया।

1. कभी तो सुनोगे।
2. इन्हें इंसान बना है
3. पार्क में पर्यावरण
4. पर्यावरण एक प्रश्न चिन्ह्
5. अपने पर भरोसा रखो
6. एक भूल को मत दोहराओ
7. मित्र से धोखा अपने से धोखा
8. लालच बुरी बला है

इस वर्ष दिनांक 23 फरवरी को संस्था के वार्षिक अधिवेशन में श्री के.के. अगवाल की नाट्य गतिविधियों में योगदान के लिये इन्हे संस्था की ओर से सम्मानित किया गया।

इन कार्यक्रमों की उपलब्ध प्रेस कटिंग संलग्न की जा रही है।

बिपिनकान्त
सचिव

कार्यालय : मकान संख्या - 521, इंसाफ नगर, इन्दिरा नगर, लखनऊ

नाटक से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

वृक्ष कल्याणम संस्था और भारत विकास परिषद अवध प्रांत की ओर से हुआ कार्यक्रम का आयोजन

नाटक में शानदार अभिनय कर कलाकारों ने सराहना बटोरी।

एनबीटी, लखनऊ : देश में डॉक्टर, इंजिनियर, वकील, पत्रकार हैं, लेकिन इंसान कहां हैं। अगर तुम चाहते हो कूड़ा डस्टबिन में फेंकूं तो लिखवा दो कि यहां कूड़ा फेंकना सख्त मना है। बिगड़ते पर्यावरण की स्थिति बयां करने के लिए कलाकारों ने प्रभावशाली संवाद बोले तो सभागार तालियों से गूंज उठा। रविवार को वृक्ष कल्याणम संस्था और भारत विकास परिषद अवध प्रांत की ओर से इंदिरा नगर के रानी लक्ष्मीबाई स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में इंजिनियर केके अग्रवाल के लेखन निर्देशन में नाटक 'इन्हें इंसान बनना है' का मंचन हुआ। नाटक के जरिए कलाकारों ने बिगड़ते पर्यावरण के प्रति लोगों की अनदेखी की तस्वीर बयां की। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। नाटक में इंजिनियर विपिन कांत, इंजिनियर केके अग्रवाल, देव शर्मा, इंजिनियर टीआई गुप्ता, अमित सिन्हा, प्रभात लाहिरी, इला शर्मा ने शानदार अभिनय किया। नाटक के बाद इंजिनियर विपिन कांत ने लोगों से पौधा लगाने, कपड़े का थैला इस्तेमाल करने का संकल्प दिलवाया। इस दौरान मुख्य अतिथि पूर्व प्रशासनिक अधिकारी दीपक कुमार और विशिष्ट अतिथि मुकेश जैन मौजूद रहे।

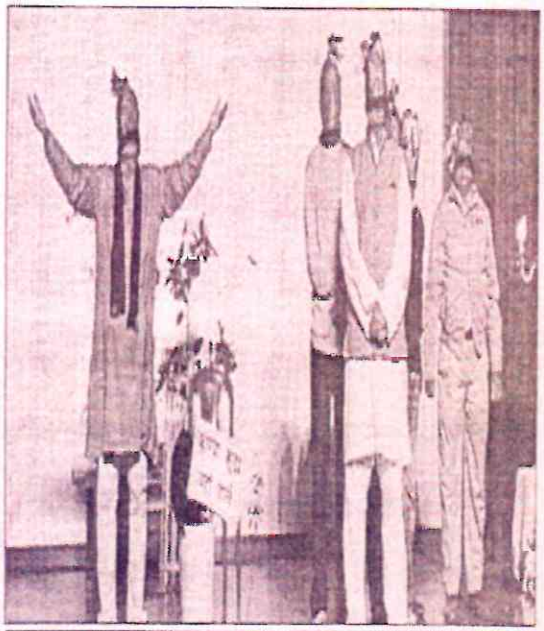

इन्हें इंसान बनना है नाटक का एक दृश्य

'इन्हें इंसान बनना है' नाटक ने दिया सामाजिक संदेश

वरिष्ठ संवाददाता (VOI)

लखनऊ। इस देश में डाक्टर है, इंजीनियर है, जज है, वकील है, पत्रकार है, प्रशासक है पर इंसान कहां है, अगर तुम चाहते हो कि यहां कूड़ा इस कूड़ेदान में फेंकू तो इस पर लिखवा दो कि यहां कूड़ा फेंकना सख्त मना है। ये चुटीले संवादों से सामाजिक एवं नागरिक समस्याओं के प्रति हमारे लापरवाहपूर्ण रवैये को, तथा एक सीधे सरल एवं समाज के प्रति जागरूक आदमी के इंसान बनने के प्रयास में आने वाली बाधाओं से निपटने की उसकी छटपटाहट एवं बेबसी को, दर्शकों के दिल में उतारने में सफल रहा नाटक इन्हें इंसान बनना है। नाटक इन्हें इंसान बनना है का मंचन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज रानी लक्ष्मी बाई मेमोरियल स्कूल, सेक्टर 8 इन्दिरा नगर में भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वृक्ष कल्याणम संस्था द्वारा किया गया। नाटक में अज्ञानी का किरदार इं. विपिन कान्त, खामखाह-इं. केके अग्रवाल, नेता-देवशर्मा, दारोगा-इं. टी.आई. गुप्ता, चिरांद-अमित सिन्हा, डा. प्रभात लाहिरी एवं ईला शर्मा ने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को नाटक के जरिए सामाजिक संदेश दिया।

नाटक मंचन के पश्चात इं. विपिन कांत ने लोगों से पांच जून पर्यावरण दिवस पर कमरे से निकलने से पहले बिजली स्विच बंद कर देंगे, बाजार कपड़े का थैला लेकर जायेंगे। एक पौधा लाएंगे, जैसे निम्न कार्य करने का संकल्प दिलवाया।

दैनिक जागरण 09.01.17

वार्षिक अधिवेशन | वाल्मीकि रंगशाला प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को बांटे गए पुरस्कार

कलाकारों ने मंच से दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

जागरण संवाददाता, लखनऊ : न पीने लायक पानी बचा है, न सांस लेने लायक हवा। विकास व प्रगति का मतलब किसान की मौत है। चिड़ियों की मानस पर्यावरण का विनाश है। जैसे ही यह चंद कलाकारों ने मंच पर कहीं तो पूरे सभागार सोच की मुद्रा में चला गया। मौका था वाल्मीकि रंगशाला प्रेक्षागृह में वृक्ष कल्याणम की ओर से आयोजित वार्षिक अधिवेशन का। शनिवार को इस कार्यक्रम में लघु नाटक पर्यावरण एक प्रश्न चिन्ह का मंचन किया गया। इसके अलावा चित्रकला व किराज प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

एकलव्य में मंचित नाटक वृक्ष कल्याणम की प्रस्तुति देते कलाकार

नाटक में कलाकारों ने पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया। नाटक में हवा, पानी, पर्यावरण, पेड़ व वृक्ष के रोचक किरदार को शानदार तरीके से पेश गया है। नाटक का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण बचाने के लिए जागरूक करना था, जिसे कलाकारों ने बखूबी निभाया। नाटक में विपिन कांत, केके अग्रवाल, भाषा राजपूत, आदर्श व देव शर्मा ने अभिनय किया। कार्यक्रम में संस्था की ओर से आयोजित चित्रकला व किराज प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों का पुरस्कार भी दिया गया, जिसमें चित्रकला में जूनियर वर्ग में खुशी मल्होत्रा को प्रथम, निरुपमा श्रीवास्तव को द्वितीय व अपूर्वी को तृतीय पुरस्कार दिया गया। वहीं सीनियर वर्ग में अरविंद कुमार को प्रथम, अखिलेश भारती को द्वितीय व प्रवीन पटेल को तृतीय पुरस्कार दिया गया। वहीं कवीज जूनियर प्रतियोगिता में आंशु श्रीवास्तव को प्रथम, यश मिश्रा को द्वितीय व समीर त्रिपाठी को तृतीय पुरस्कार दिया गया। सीनियर प्रतियोगिता में अखिलेश नाटक को प्रथम, ऋतिक सिंह को द्वितीय व हिमांशु शुक्ला को तृतीय पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर कवि कृष्ण बिहारी व देवकी नंदन ने कविता पढ़कर माहौल को खुशनुमा कर दिया। कार्यक्रम में रमा उजागिर शुक्ला, एपी मिश्रा, नासिक हुसैन, राजेश कुमार, विपिन कांत, सोम मेहता, आईके भारद्वाज, अरुणी गुप्ता आदि लोग मौजूद थे।

नव भारत टाइम्स 09.01.17

बिगड़ते पर्यावरण के लिए किया जागरूक

वाल्मीकि ऑडिटोरियम में नाटक के जरिए दिया पर्यावरण संवारने का संदेश

NBT

संस्था की ओर से पूर्व में हुई प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

■ एनबीटी, लखनऊ

कलाकारों ने दर्शकों को बिगड़ते पर्यावरण के बारे में नाटक के जरिए सचेत किया तो हर कोई सोचने पर मजबूर हो गया। नाटक का आयोजन वृक्ष कल्याणम संस्था के वार्षिक अधिवेशन में संस्था के सदस्यों की ओर रविवार को किया गया।

कलाकारों ने पर्यावरण एक प्रश्न 'चिह्न' नाटक के जरिए नदियों और हवा के प्रदूषित होने के नुकसानों से रू-ब-रू कराया। इसके किरदारों में विपिनकांत, भाषा राजपूत, केके अग्रवाल, देवेश शर्मा और बच्चों आशा शर्मा ने शानदार अभिनय से अपनी छाप छोड़ी।

इससे पहले अधिवेशन की शुरुआत करते हुए सचिव विपिनकांत ने संस्था की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पर्यावरण पर केंद्रित अभियानों पर प्रकाश डालते हुए पॉलीथिन बहिष्कार अभियान को फिर चलाए जाने की बात कही। वहीं, एपी मिश्रा ने सार्थक अभियानों और कार्यक्रमों के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष राजेश कुमार, डॉ. जेके जैन, आरयू शुक्ल और नासिक हुसैन ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में संस्था की ओर से पूर्व में हुई प्रतियोगिता के विजेता खुशी मल्होत्रा, निरुपमा श्रीवास्तव, अपूर्वी, अरविंद कुमार और प्रवीन पटेल को पुरस्कृत किया गया।

नवभारत टाइम्स 30.12.17

स्वच्छता मानकों के आधार पर पांच कॉलेज सम्मानित

संगीत नाट्य अकादमी में वृक्ष कल्याणम संस्था के वार्षिकोत्सव पर हुआ नाटक का मंचन

एनबीटी, लखनऊ : वृक्ष कल्याणम संस्था की ओर से शुक्रवार को गोमतीनगर स्थित संगीत नाट्य अकादमी में वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ। इस दौरान संस्था के लोगों ने नाटक का मंचन कर वृक्ष लगाने का संकल्प लोगों को दिलाया। संस्था के अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि देश में लगातार प्रदूषण की समस्या बढ़ती जा रही है। मुख्य कारण लोगों में पेड़-पौधों के प्रति जागरूकता की कमी है। अगर इससे बचना है तो बच्चों को वृक्ष की उपयोगिता के बारे में बताना होगा, ताकि बढ़ रहे प्रदूषण को रोका जा सके।

संस्था के अध्यक्ष राजेश ने बताया कि इंदिरानगर, विकासनगर, अलीगंज, राजाजीपुरम के 20 स्कूलों की पड़ताल की गई। जिसमें बीके कॉन्वेंट इंटर कॉलेज (तकरोही), सरस्वती शिशु मंदिर (तकरोही), दयानंद इंटर कॉलेज (इंदिरानगर), एसजेएम स्टडी होम (इंदिरानगर), एमएलएम इंटर कॉलेज (अलीगंज) मानक के आधार पर स्वच्छ पाये गए। संस्था ने उन्हें पौधे देकर सम्मानित किया। साथ ही संस्था की ओर से आयोजित निबंध, चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया।

पेड़ लगाने का लिया संकल्प

कार्यक्रम में संस्था की ओर से 'पर्यावरण एक प्रश्न चिह्न' नाटक का मंचन किया गया। यहां कलाकारों ने वृक्ष के प्रति लोगों को जागरूक कर पॉलिथीन बहिष्कार करने की अपील की। यहां पुस्तक 'खूटियों पर टंगी कहानियां' का भी विमोचन हुआ। मौके पर उत्तर प्रदेश जल निगम के अध्यक्ष जीवी पटनायक, इंजिनियर एपी मिश्रा, सुधा सिंह, आरयू शुक्ला, केके अग्रवाल, विपिन कांत समेत कई लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा 31.12.17

नाटक के माध्यम से दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

लखनऊ (एसएनबी)। वृक्ष कल्याणम् संस्था के तत्वावधान में गोमती नगर स्थित संगीत नाटक अकादमी में महाधिवेशन का आयोजन किया गया, जिसमें मंचित नाटक 'पार्क में पर्यावरण' ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा प्रदूषण जैसी गंभी समस्या पर देश के कर्णधारों के लापरवाही भरे सरोकार के प्रति दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जल निगम के अध्यक्ष जी.वी. पटनायक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अवकाश प्राप्त एमडी ए.पी. मिश्र उपस्थित थे।

महाधिवेशन का प्रारम्भ गीता सिंह व ईला द्वारा प्रस्तुत संस्था के ध्येय गीत से हुआ। इसके बाद संस्था के सचिव विपिन कान्त ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संस्था के गठन व उसकी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्था निःशुल्क वृक्षारोपण के साथ ही ऊर्जा संरक्षण व पॉलीथीन बहिष्कार के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रयासरत है। इसके अतिरिक्त अल्प आय वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति भी संस्था द्वारा प्रदान की जाती है। इस अवसर पर संस्था का एक ब्रोसर भी जारी किया गया। महाधिवेशन में के.के. अग्रवाल द्वारा लिखित कहानी संग्रह 'खूटियों पर टंगी कहानियां' का विमोचन कादम्बिनी क्लब की अध्यक्ष सुधा सिंह द्वारा किया गया तथा प्रधानाचार्य संगठन के उपाध्यक्ष आर.यू.

अमर उजाला 25.7.16

बिगड़ रहे पर्यावरण संतुलन पर नाटक में उठाए सवाल

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। इंसान पहले तो पेड़ काटता है, अंधाधुंध गाड़ियां सड़क पर उतार कर वायु प्रदूषित करता है और उसके बाद कोसता है पर्यावरण को कि यह बिगड़ रहा है। सुधारने के लिए खुद कोई प्रयत्न नहीं करेगा, लेकिन गर्मी पड़ने पर शोर मचाता है, बाढ़ आने पर ग्लोबल वार्मिंग की और कम सर्दी पड़ने पर कुदरत की दुहाई देता है। मगर, अपनी गलती नहीं मानता। इंसान को इसी गलती का अहसास कराते नाटक 'पर्यावरण एक प्रश्न चिह्न' के मंचन के साथ आईआईटी रुड़की एल्युमिनाई एसोसिएशन लखनऊ चैप्टर की शाम सजी।

लखनऊ चैप्टर की बैठक और चुनावी मीटिंग के दौरान मंच पर उतरे नाटक ने बिगड़ते पर्यावरण के लिए जिम्मेदार अंजान बन रहे इंसान को उकेरा। मंच पर इंजीनियर भी उतरे। वृक्ष कल्याणम की ओर से मंचित केके अग्रवाल निर्देशित-अभिनीत नाटक में अनुष्का सिंह, भावा राजपूत, देव शर्मा, विपिन कांत ने भी अपनी प्रतिभा दिखाई। इससे पहले शहर की रचना भटनागर ने करीब एक घंटे तक मोटिवेशनल स्पीच से सुखी जीवन की भव्यता के साथ कैसे जीये पर लोगों को हैप्पी लाइफ के गुर सिखाए।

आईआईटी रुड़की एल्युमिनाई एसोसिएशन लखनऊ चैप्टर ने किया आयोजन

राजीव बने अध्यक्ष

लखनऊ चैप्टर की एग्जीक्यूटिव कमेटी में रविवार को राजीव अग्रवाल को अध्यक्ष चुना गया। दो सालों के लिए बनी इस कमेटी में सविता अग्रवाल-हरीश चंद्रा को उपाध्यक्ष, अनुज पाण्डेय को सचिव, कंवरम यादव को संयुक्त सचिव चुना गया है। मीना अग्रवाल को सांस्कृतिक सचिव, केके अग्रवाल को एडिटर, सुनील गुप्ता को कोषाध्यक्ष चुना गया है। विशेष नियुक्ति में गोपाल सिन्हा का सांस्कृतिक सलाहकार, सोशल सर्विसेज में जीतेश श्रीवास्तव को जिम्मेदारियां मिलीं।

नव भारत टाइम्स 25.7.16

अल्युमिनाई मीट में ताजा की यादें

एनबीटी, लखनऊ : बदल रहा है मौसम बदल अपना तेवर और मिजाज, बिगड़ रहे हैं धरती, पानी और अंबर के साज। कुछ इसी तरह के संवादों से वृक्ष कल्याणम संस्था के कलाकारों ने नाटक का मंचन कर दर्शकों को प्रकृति संतुलन के बारे में जागरूक किया। नाटक का मंचन पीडब्लूडी के विश्वेश्वरैया सभागार में रुड़की अल्युमिनाई असोसिएशन की ओर से पूर्व छात्रों के मिलन समारोह में किया गया।

मुख्य अतिथि जस्टिस कमल किशोर थे। नाटक के जरिए कलाकारों ने घटती हरियाली, पानी और जहरीली होती हवा पर दर्शकों के सामने सवाल उठाए। नाटक से पहले रुड़की विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों ने बीते दिनों को याद करते हुए पुराने दिनों का याद किया। कार्यक्रम में रचना भटनागर ने मोटीवेशनल टॉक के जरिए लोगों से चर्चा की और सुझाव पेश किए। कार्यक्रम में असोसिएशन के अध्यक्ष इंजीनियर एके गुप्ता, सचिव आर्किटेक्ट सविता अग्रवाल और कोषाध्यक्ष इंजीनियर हरीश चंद्रा और इंजीनियर केके अग्रवाल ने भी विचार रखे।

दैनिक जागरण 25.7.16

एल्युमिनाई मीट में पर्यावरण संरक्षण का संदेश

- रुड़की यूनिवर्सिटी की एल्युमिनाई मीट में लघु नाटिका से दिया संदेश

जागरण संवाददाता, लखनऊ : रुड़की इंजीनियरिंग कॉलेज (अब यूनिवर्सिटी) की एल्युमिनाई मीट में रविवार को पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश मंच से दिया गया। वृक्ष कल्याणम की ओर से पर्यावरण एक प्रश्न चिन्ह विषय पर लघु नाटिका का मंचन किया गया। इसमें वरिष्ठ रंगकर्मी केके अग्रवाल ने पर्यावरण को हो रहे नुकसान को बेहद ही संजीदगी के साथ दर्शकों के सामने उकेरा। पैट बाबू की मुख्य भूमिका में उन्होंने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। आखिर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर हम कैसे भविष्य सृजित कर रहे हैं। पहले बर्बादी और फिर आपदा वहाना हमारी विडंबना बन गई है। यह जानकारी संस्था के सचिव इंजीनियर विपिन कांत ने दी।

पर्यावरण संरक्षण

Atam Jeet Singh Date: 11/10/2019

प्रमाणित करना है कि विगत 44 वर्षों में श्री के0 के0 अग्रवाल द्वारा लिखित निम्नलिखित नाटकों को मैंने विभिन्न संस्थाओं के लिए निर्देशित किया।

क्रमांक	नाटक का नाम	संस्था
1.	स्वर्ग से शक्ति भवन	उ0 प्र0 रा0 वि0 प0 अभियंता संघ
2.	उड़ान 420	"
3.	थैंक्यू मिस्टर टेलर	"
4.	आओ सखी कुछ बेचें	"
5.	कम्पनी बाई (नौटंकी)	"
6.	मरणोपरांत	"
7.	व्यथा कथा एक गधे की	उ0 प्र0 रा0 वि0 प0 अभियंता संघ
8.	व्यथा कथा एक गधे की	मेघदूत, लखनऊ
9.	बिजली का खम्भा	लखनऊ नाट्य समारोह, रंगयोग (संगीत नाटक अकादमी के तत्वाधान में)
10.	बिजली का खम्भा	माघ मेला, इलाहाबाद (उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहाबाद)

उपरोक्त 1 से 6 तक के नाटक श्री अग्रवाल के मूल नाटक थे। जबकि क्रम सं0 7,8 व 9 के नाटक कृश्न चंदर की कहानियों पर आधारित थे।

उपरोक्त 1 से 7 तक के नाटकों में श्री अग्रवाल ने अभिनय भी किया।

इन नाटकों में विद्युत की उपयोगिता, ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता एवं सरकारी विभागों में पनप रहे भ्रष्टाचार के कारण उपभोक्ता को होने वाली परेशानियों को प्रभावी रूप से उजागर किया है।

श्री अग्रवाल ने तक्षशिला द्वारा प्रस्तुत मॉलियर के फ्रांसीसी नाटक द स्काउण्डल स्कॉपियन के मेरे द्वारा किये गये पंजाबी रूपान्तरण एवं निर्देशन सत्ते दा सत्ता में मुख्य भूमिका निभाई।

श्री अग्रवाल ने विगत 3 नवम्बर 2016 को संस्कृति विभाग भारत सरकार के सहयोग से मेरे द्वारा निर्देशित नौटंकी भांड चरित्रम् में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एवं नौटंकी के आलेख को मंच हेतु सम्पादित करने में मुझे सहयोग प्रदान किया।

मैं इन नाटकों से संबंधित कुछ प्रेस कटिंग, फोटोग्राफ आदि जो उपलब्ध हो सके हैं संलग्न कर रहा हूँ।

श्री के0के0 अग्रवाल वर्ष 1974 से अब तक की निरंतर नाट्य सराहनीय एवं अनुकरणीय है।

(आतमजीत सिंह)

Address:- H. No.- 11, Lane No-5, Hans Nagar, Near Para Police Thana, Hardoi Ring Road
Lucknow 226011. M- 09335313104

लखनऊ नाट्य समारोह की प्रस्तुति - बिजली का खम्भा

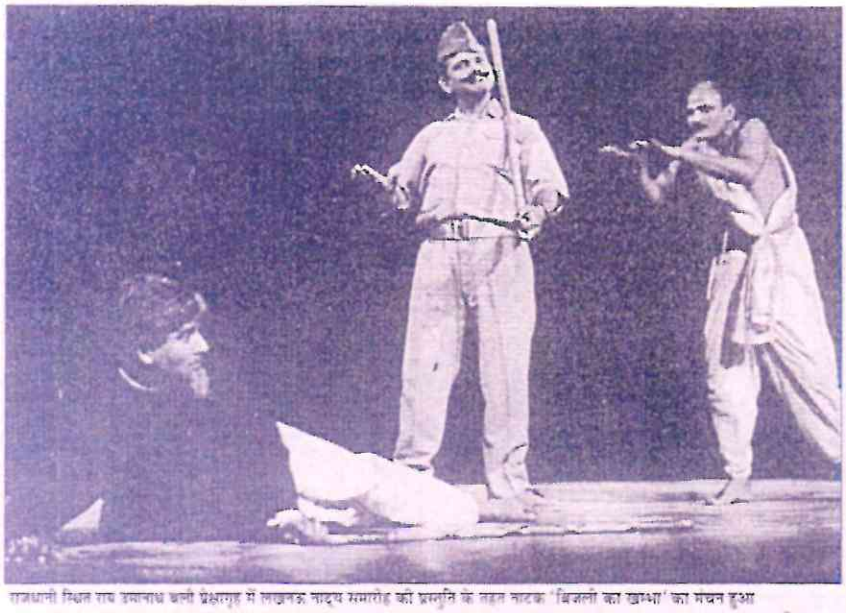

राजधानी स्थित राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में लखनऊ नाट्य समारोह की प्रस्तुति के तहत नाटक 'बिजली का खम्भा' का मंचन हुआ

छाया: हिन्दुस्तान

लखनऊ नाट्य समारोह : पांचवीं प्रस्तुति

भ्रष्ट व्यवस्था को दिखाने का एक और प्रयास

सांस्कृतिक संवाददाता

लखनऊ, 18 मार्च। आज की प्रशासनिक और राजनैतिक व्यवस्था में एक आम आदमी की मौत को यदि भुनाया न जा सके, तो वह मौत ही निरर्थक हो जाती है। आम आदमी की इस निरर्थकता को तल्खी के साथ अनुभव कराने का प्रयास है, नाटक- 'बिजली खम्भा'। स्वामीनाथ वाली प्रेक्षागृह में चल रहे 'लखनऊ नाट्य समारोह' के अंतर्गत आज 'रंगायन' संस्था की ओर से इसी नाटक का मंचन किया गया। नाटक के लेखक के.के. अग्रवाल और निर्देशक आत्मजीत सिंह हैं।

लगभग चार दशक पूर्व मशहूर लेखक कृष्णचन्दर ने मानव की भाषा में बोलने वाले एक गधे के चरित्र की कल्पना कर लोक उपन्यासों की कुशल शिल्पी थी। इसी चरित्र को आधार बनाकर नाटककार के.के. अग्रवाल ने नाटक रचा है। यह भलमनसाहत गधे का मालिक धोबी एक दिन सड़क के किनारे बिजली के खम्भे के नीचे रख जाता है। स्वाभिमानी गधा अपने मालिक के प्राण बचाने के लिए बिजली विभाग के दफ्तर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिलाधिकारी, मंचिव से होता हुआ मुख्यमंत्री तक अपनी गुहार लगाता है, किन्तु कोई भी उसके मालिक को नहीं बचाता। अंततः खम्भे के नीचे दबा धोबी दम तोड़ देता है। प्रस्तुतकर्ताओं ने इन्हीं प्रसंगों के जरिए नागरिक सुविधाओं, चिकित्सा व्यवस्था, प्रशासनिक व्यवस्था और अंत में राजनैतिक व्यवस्था में व्याप्त विसंगतियों पर कटाक्ष किया है। नाटक का स्वरूप अत्यंत रोचक है, किन्तु प्रस्तुति में कसाव नहीं है। नाटक के कई प्रसंग या तो काटे जा सकते थे या संक्षिप्त किये जा सकते थे। इसके लिए अवधेश और आत्मजीत सिंह को पूरा श्रेय दिया जाएगा।

प्रस्तुति का एक कमजोर पक्ष, इसकी अनियंत्रित गति थी। जिस तेज रफ्तारी से नाटक शुरू होता है, बिजली विभाग के दफ्तर तक पहुंच कर उसकी गति धीमी हो जाती है। पंडित, मुल्ला और गधा जहां शुरू से ही 'लाउड' वहीं अन्य चरित्र सहज-स्वाभाविक बने रहे।

नाटक की विभिन्न भूमिकाओं में वरिष्ठ अभिनेताओं ज्ञानेश कम्बु, प्रयाग शर्मा, अनिल शुक्ल, विजय मिश्र, विजय कालरा के साथ अवधेश, तपश्चात, आर.के. यादव, रामविलास, सत्यप्रिय, मनीष, मनोज, करमजीत, उषा, बलराम व राजेश ने अभिनय किया। अवधेश (हारमोनियम), शिवचरण (ढोलक) ने गायकी पक्ष का कुशलता से नेतृत्व किया। संगीत पक्ष ही नाटक का बेहतर पक्ष था।

यायावर
रंगमण्डल

Please ask tickets for the cause of Theater and for the sake of Theater

प्रमाणित किया जाता है कि श्री के० के० अग्रवाल संस्था से सम्बद्ध निर्देशक एवं वरिष्ठ कलाकार हैं। वर्ष 1982 में श्री अग्रवाल द्वारा उपन्यास नाटक 'पंजा' यायावर थिएटर बैंक सेवा द्वारा release किया गया था।

संस्था ने वर्ष 1992 एवं 2004 में श्री अग्रवाल द्वारा उपन्यास नाटक 'लक्ष्यचाल' की लगभग 12 प्रस्तुतियां लखनऊ, इलाहाबाद एवं गोरखपुर में की हैं।

मैं श्री अग्रवाल के नाम की संस्कृति अकादमी सम्मान के लिये करता हूँ।

Mittal
22/12/2016

जितेन्द्र कुमार मित्तल
निदेशक
यायावर रंगमण्डल, लखनऊ

यायावर रंगमण्डल, "गायत्री", एस-175, अवित नगर, फैजाबाद रोड, लखनऊ-16, दूरभाष : 0522-6566943, मोबाइल : 9415024858, 9839704858
E-mail : yayaver2009@gmail.com

स्थापित : 1973
पंजी.स. : 2324

संकेत

(सार्थक रंगकर्म हेतु प्रतिबद्ध प्रगतिशील रंगकर्मियों की संस्था)

0522-2789679
9415470026
9839040657

अध्यक्ष
स्वतंत्र काले

उपाध्यक्ष
डा0 डी.सी. पाण्डेय
आई.पी.एस. (से0नि0)
राम किशोर

महासचिव
एस. एन. कौल

नाट्य सचिव
डा0 अनुपम श्रीवास्तव

कोषाध्यक्ष
आर. के. तिवारी

संयुक्त सचिव
विनय घोषाल
कपिल तिलहरी

कार्यकारिणी सदस्य
प्रेम प्रकाश
डा0 संजीव वर्मा
सुश्री शबीह जाफ़री

दिनांक 12 अक्टूबर 2019

<u>श्री के0 के0 अग्रवाल के सम्बन्ध में</u>

सहर्ष सूचित करना है कि श्री के0 के0 अग्रवाल वर्तमान में उत्तर प्रदेश के वरिष्ठतम रंग कर्मियों की श्रेणी में हैं। आप वर्ष 1974 से प्रतिष्ठित नाट्य संस्था ''संकेत'' से जुड़कर निरन्तर नाट्य लेखन, निर्देशन एवं अभिनय के साथ मंच निर्माण एवं प्रकाश परिकल्पना जैसे कार्य भी करते रहे हैं।

श्री अग्रवाल पूर्व में ''संकेत'' नाट्य संस्था के महासचिव एवं उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। संकेत की स्थापना के प्रारम्भिक वर्षों में संस्था को स्थायित्व प्रदान करने एवं इसकी उन्नति में इन्होंने अपनी प्रबन्धन एवं रंगमंचीय क्षमताओं से महत्वपूर्ण योगदान किया है।

''संकेत'' द्वारा मंचित नाटक के लेखन, निर्देशन एवं अभिनय के क्षेत्र में आपके प्रमुख प्रयासों का उपलब्ध विवरण संलग्न किया जा रहा है।

श्री अग्रवाल की 45 वर्षों से हिन्दी रंगमंच की निरंतर की गयी सेवा

स्वतंत्र काले
अध्यक्ष

सी-176, निराला नगर, लखनऊ - 226 020
E-mail : sanketlucknow1973@gmail.com

स्थापित : 1973
पजी.स. : 2324

संकेत

(सार्थक रंगकर्म हेतु प्रतिबद्ध प्रगतिशील रंगकर्मियों की संस्था)

0522-2789679
9415470026
9839040657

अध्यक्ष
स्वतंत्र काले

उपाध्यक्ष
डा0 डी.सी. पाण्डेय
आई पी एस. (से0नि0)
राम किशोर

महासचिव
एस. एन. कौल

नाट्य सचिव
डा0 अनुपम श्रीवास्तव

कोषाध्यक्ष
आर. के. तिवारी

संयुक्त सचिव
विनय घोषाल
कपिल तिलहरी

कार्यकारिणी सदस्य
प्रेम प्रकाश
डा0 संजीव वर्मा
सुश्री शबीह जाफ़री

संकेत नाट्य संस्था की महत्वपूर्ण प्रस्तुतियों जिनमें श्री के0के0 अग्रवाल ने भाग लिया

कमांक	नाटक का नाम	लेखन, निर्देशन, अभिनय	टिप्पणी
1.	ओह अमेरिका	अभिनय	
2.	अपराधी ?	लेखन निर्देशन	
3.	ध्रुव स्वामिनी	अभिनय	
4.	सत्य हरिश्चन्द्र	अभिनय	
5.	कुमार की छत पर	अभिनय	
6.	बिना दीवारों के घर	अभिनय	
7.	बडी बुआ जी	अभिनय	
8.	राम–श्याम–जदु	अभिनय	
9.	नशे–नशे की बात	अभिनय	
10.	बाप रे बाप	निर्देशन	दूरदर्शन पर भी प्रसारित।
11.	पहला राजा	अभिनय	
12.	जाति ही पूछो साधु की	अभिनय	
13.	अभिमान	अभिनय	दूरदर्शन एवं रेडियो पर प्रसारित।
14.	अमिताक्षर	निर्देशन	
15.	कृति–विकृति	निर्देशन	

स्वतंत्र काले
अध्यक्ष

सी-176, निराला नगर, लखनऊ - 226 020
E-mail : sanketlucknow1973@gmail.com